विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 274 | कोरबा, रविवार, दिनांक 06 जुलाई 2025 डाक 07 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा
सेना के जवानों ने मंडी जिले के बगस्याड़ और थुनाग के बीच बंद सड़क पार करने में लोगों की मदद की

देश-विदेश
ठाकरे ब्रदर्स का मिलन... राजनीतिक गठबंधन की गारंटी नहीं है उद्धव और राज का एक मंच पर होना

फीचर पेज
फूलों से बनाए जा सकते हैं प्राकृतिक वाटर कलर, पेंटिंग में आएंगे काम

भाजपा-नीतीश ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया, गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार पर बरसे राहुल

पटना, 06 जुलाई [एजेंसी]।

पटना में बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। इससे पहले तेजस्वी यादव ने गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगा दिया था। राहुल गांधी ने लिखा कि आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती।

राहुल गांधी ने कहा कि अब वक्त नए बिहार का है। उन्होंने लिखा कि हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का, जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार देर रात बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना पटना के गांधी मैदान थाना इलाके में हुई। गोपाल खेमका पटना के जाने-माने व्यवसायी थे। गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की हत्या भी छह वर्ष पूर्व वैशाली के औद्योगिक थाना इलाके में कर दी गई थी। उस समय भी काफी हंगामा हुआ था। पटना के पॉश इलाके में खुलेआम बड़े व्यवसायी की मौत ने राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर ऐसे समय में जब बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं, तो गोपाल खेमका की हत्या ने विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा पकड़ा दिया है, जिससे वे सरकार को घेर सकते हैं। व्यवसायी वर्ग में गोपाल खेमका का बड़ा रसूख था। उनकी हत्या से बिहार का व्यवसायी वर्ग सदमे में है। गोपाल खेमका की हत्या से बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने लिखा कि थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते। क्योंकि इसे ही शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और छवि प्रबंधन कहते है।

ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक, जहां छुट्टियां मना रहे थे राष्ट्रपति, उसी एअरस्पेस में दाखिल हुआ विमान

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में सेंध लगने का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका की फर्स्ट लेडी और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप छुट्टियां मनाने न्यू जर्सी पहुंचे थे। इसी दौरान एक नागरिक विमान प्रतिबंधित एयर स्पेस में घुस आया। घटना शनिवार 5 जुलाई की है। जैसी ही प्रतिबंधित एयर स्पेस में विमान के दाखिल होने की जानकारी मिली वैसे ही अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड के लड़ाकू विमान ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विमान को इंटरसेप्ट कर रोक दिया। NORAD के फाइटर डेट ने हेडबट रणनीति अपनाते हुए पायलट का ध्यान खींचा और विमान को प्रतिबंधित एयर स्पेस से बाहर निकाला।

महाराष्ट्र में फिर अकेले मैदान में उतर सकती है कांग्रेस, स्थानीय चुनाव में वापसी को बेताब

मुंबई 06 जुलाई। महाराष्ट्र की राजनीति में कांग्रेस बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। राज्य में इस साल के आखिर में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस में चर्चा तेज हो गई है कि पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरे। पार्टी के कई नेता मानते हैं कि इन चुनावों के जरिए कांग्रेस को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का मौका मिल सकता है। खासकर तब, जब भाजपा राज्य के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रही है।

डंपर के पीछे से घुसी कार राइस मिलर की पुत्रवधू की मौत, बेटे की हालत गंभीर

पीलीभीत 6 जुलाई। पीलीभीत बस्ती नेशनल हाईवे पर थाना गजरौला के पास कार सड़क पर खड़े डंपर में पीछे से घुस गई। हादसे में राइस मिलर की पुत्रवधू की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे दिल्ली ले जाया गया। पूरनपुर नगर निवासी जसवंती राइस एंड फ्लोर मिल के मालिक जगमोहन राय अग्रवाल के बेटे तनुजा अग्रवाल अपनी पत्नी प्रियंका अग्रवाल और पांच वर्षीय बेटे के साथ शनिवार की देर रात कार से घर लौट रहे थे।

मणिपुर में महिला समेत दो उग्रवादी गिरफ्तार, 12 राइफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

इंफाल। मणिपुर के थौबल और इंफाल वेस्ट जिलों में सुरक्षाबलों ने एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चंदेल जिले के विभिन्न हिस्सों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन प्रेपक (प्रो) की एक महिला कैडर को शनिवार को थौबल जिले के सलुंगफम इलाके से गिरफ्तार किया गया, जबकि संगठन के एक अन्य सदस्य को इम्फाल वेस्ट जिले के नगमापाल इलाके से पकड़ा गया।

आबकारी अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को झारखंड एसीबी लेकर जाएगी रांची

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के आरोपी अरुणपति त्रिपाठी की मुश्किलें बढ़ गई है। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में झारखंड की एंटी करप्शन ब्यूरो ने छत्तीसगढ़ के पूर्व विशेष सचिव ए.पी. त्रिपाठी को से पूछताछ करने के लिए रांची के स्पेशल कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट के लिए आवेदन लगाया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) रांची की टीम ने शनिवार को स्पेशल जज योगेश कुमार सिंह की अदालत में प्रोडक्शन वारंट आवेदन दिया। आवेदन मंजूर होने के बाद झारखंड एसीबी की टीम त्रिपाठी को रांची ले जाकर पूछताछ करेंगी। आरोप है कि झारखंड के निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे ने एपी त्रिपाठी के साथ मिलकर झारखंड में भी छत्तीसगढ़ जैसी घोटाले की साजिश रची थी। झारखंड एसीबी इस मामले में पहले ही विनय चौबे समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। माना जा रहा है कि त्रिपाठी से पूछताछ के बाद झारखंड शराब घोटाले से जुड़े कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

आषाढ़ी एकादशी की प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को आषाढ़ी एकादशी पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। पूरे देश में रविवार को आषाढ़ी एकादशी यानी देवशयनी एकादशी पर लोग भगवान विष्णु की भक्ति और उपासना में लीन हैं। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री मोदी, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने सभी के लिए सुख-समृद्धि की कामना की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देशवासियों को आषाढ़ी एकादशी की असीम शुभकामनाएं। यह पावन अवसर हर किसी के लिए फलदायी सिद्ध हो, यही कामना है। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, आषाढ़ी एकादशी के इस पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं!

भगवान विठ्ठल जी का आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे, यही विठ्ठल जी के चरणों में हमारी प्रार्थना और कामना है। भगवान विठ्ठल जी हमें सुखी और समृद्ध समाज की ओर ले जाते रहें, और हम भी गरीबों और वंचितों की सेवा करते रहें। आषाढ़ी एकादशी को महाराष्ट्र में पंढरपुर यात्रा के रूप में भी मनाया जाता है। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भगवान विठ्ठल जी के चरणों में जनता और अन्नदाताओं के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। देवेंद्र फडणवीस ने परिवार के साथ भगवान विठ्ठल की पूजा-अर्चना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर आज पंढरपुर में देवी विठ्ठल-रुक्मिणी के चरणों में अपनी पत्नी अमृता और बेटी दिविजा के साथ महापूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देवी विठ्ठल-रुक्मिणी के दर्शन से उनका मन प्रसन्न हो गया। उन्होंने देवी विठु माऊली और देवी रखुमाई के चरणों में नतमस्तक होकर किसानों, मेहनतकश लोगों और राज्य के सभी लोगों की सुख-समृद्धि और महाराष्ट्र के विकास के लिए प्रार्थना की।

मैं यूपी से हूं, लेकिन महाराष्ट्र के लिए खून बहाया...

भाषा विवाद के बीच 26/11 के नायक का राज ठाकरे से सवाल- तब आप कहां थे

मुंबई, 06 जुलाई [एजेंसी]।

देश में इन दिनों भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। पहले तमिलनाडु में हिंदी भाषा को लेकर बवाल मचा और अब महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी भाषा को लेकर बहस छिड़ गई है। इस बीच 26/11 मुंबई हमलों के नायक एक्स मार्कोस (मरीन कमांडो फोर्स) प्रवीण कुमार तेवतिया ने इस विवाद पर कड़ी आपत्ति जताई और एमएनएस चीफ राज ठाकरे से सवाल किए हैं। ताज होटल पर हुए आतंकी हमलों में कई लोगों को बचाने वाले कमांडो ने पूछा है कि मुंबई में हुए आतंकी हमलों के वक्त आपके योद्धा कहां थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक फोटो भी पोस्ट की है, जिसमें वो वर्दी पहने हुए हैं और बुलेटप्रुफ जैकेट पर लिखा हुआ है। उनके गले में एक बंदूक भी लटक रही है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, मैंने 26/11 को मुंबई को बचाया था। मैं यूपी से हूं और महाराष्ट्र के लिए खून बहाता हूं। मैंने ताज होटल को बचाया। राज ठाकरे के तथाकथित योद्धा कहां थे। देश को मत बांटो। मुस्कुराहट के लिए किसी भाषा की जरूरत नहीं होती। तेवतिया ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए ये पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने भाषा के नाम पर गुंडागर्दी और हिंसा के खिलाफ चेतावनी दी है। प्रवीण कुमार तेवतिया एक पूर्व कमांडो हैं, जिन्होंने मुंबई के ताज होटल में 26/11 के आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान अपनी टीम का नेतृत्व किया था। ऑपरेशन के दौरान उन्हें कई चोटें आई और चार गोलियां लगीं, लेकिन उनकी त्वरित कार्रवाई और जवाबी हमले ने उस भयावह दिन 150 से अधिक लोगों की जान बचाई।

शायद 40 साल और जिंदा रहूं...

90वें जन्मदिन पर क्या बोले दलाई लामा, पीएम मोदी ने भी दी बधाई

धर्मशाला, 06 जुलाई ।

तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा आज 90 वर्ष के पूरे हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में दलाई लामा का 90वां जन्मदिन बेहद धूमधाम से मनाया गया। वहीं, जन्मदिवस के खास मौके पर दलाई लामा ने और 40 साल तक जिंदा रहने के संकेत दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दलाई लामा को जन्मदिन की मुबारकबाद दी है। दलाई लामा ने अपने 90वें जन्मदिन पर खास संदेश साझा किया है। दलाई लामा का यह संदेश उनके एक्स अकाउंट पर भी मौजूद है।

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, केंद्र सरकार को तुरंत बंगला खाली करवाने का दिया फरमान

नईदिल्ली, 06 जुलाई [एजेंसी]।

देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे डीवाई चंद्रचूड़ को भला कौन नहीं जानता उन्हें रिटायर हुए 8 महीने बीत चुके हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना सरकारी आवास खाली नहीं किया है। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द से जल्द पूर्व सीजेआई से बंगला खाली करवाने का आदेश दिया है। वहीं, डीवाई चंद्रचूड़ ने भी बंगला खाली करने की वजह साफ बताई है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने 1 जुलाई को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखते हुए तुरंत बंगला खाली करवाने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने नोटिस में कहा- आपसे आग्रह किया जाता है कि कृष्णा मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर 5, आदरणीय डीवाई चंद्रचूड़ जी से बिना किसी देरी के खाली करवाया जाए। 2022 के नियम 3बी के अनुसार उन्हें अतिरिक्त 6 महीने तक बंगले में रहने की अनुमति थी। यह अवधि 10 मई 2025 को खत्म हो गई थी। उन्हें 31 मई 2025 तक अतिरिक्त समय के लिए बंगले में रहने की इजाजत दी गई थी।

मंडी में फिर फटा बादल कोरतंग में देर रात भारी नुकसान

हिमाचल में आज फिर भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, 06 जुलाई [एजेंसी]।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक बार फिर बादल फटने से तबाही मची है। चौहारघाटी सिल्हबुधानी के कोरतंग में देर रात बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है, लेकिन जानमाल को नुकसान नहीं है। बीते सोमवार की रात मंडी में कई जगह बादल फटने से हुई तबाही के जख्मों के बीच हिमाचल में रविवार को फिर से भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने मंडी, कांगड़ा और सिरमौर में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। सात जिलों ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, चंबा, कुल्लू, शिमला और सोलन के लिए ऑरेंज अलर्ट है। जबकि कांगड़ा, चंबा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले के कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 7-8 जुलाई को पूरे प्रदेश में ऑरेंज और 9 जुलाई को येलो अलर्ट जारी किया गया है। कांगड़ा समेत प्रदेश के कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई। इसी बीच, नादौन और कांगड़ा में दो शव मिले हैं। नादौन में ब्यास नदी के किनारे बटाली क्षेत्र में मिले शव की पहचान मंडी के पंगलियुर निवासी 30 वर्षीय इंद्रदेव के रूप में हुई है। एक और शव की शिनाख्त होने के बाद मंडी जिले में प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या 18 हो गई है। शनिवार सुबह बारिश के चलते दिल्ली और चंडीगढ़ से कोई भी फ्लाइट गगल एयरपोर्ट नहीं पहुंची। चारों फ्लाइटें रद्द रहीं।

पंजाब में मान सरकार का अकाली नेताओं पर शिकंजा, मजीठिया की पेशी से पहले पूर्व मंत्री सिकंदर सिंह मलूका हाउस अरेस्ट

बठिंडा। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की आज विजिलेंस रिमांड की मियाद पूरी होने पर उन्हें चंडीगढ़ की अदालत में पेश किया जाना है। इसे देखते हुए पंजाब सरकार ने अकाली नेताओं द्वारा संभावित विरोध प्रदर्शनों से बचने के लिए पहले से सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र से अकाली दल के नेता और पूर्व पंचायत मंत्री स. सिकंदर सिंह मलूका को आज सुबह ही पुलिस ने उनके गांव मलूका स्थित आवास में नजरबंद कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियां गांव में पहुंचीं और मलूका को चंडीगढ़ जाने से रोक दिया गया।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

कश्मीरियों पर जमकर बरस रही बाबा बर्फानी की कृपा, जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को मिला 400 करोड़ का बूस्टर डोज

जम्मू, 06 जुलाई [एजेंसी]।

शक्ति-भक्ति, उत्सव और उत्साह की प्रतीक श्री अमरनाथ यात्रा से जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को लगभग 400 करोड़ का बूस्टर डोज मिलने जा रहा है।यही नहीं, पहलगाम आतंकी हमले के बाद पटरी से उतरे कश्मीर के पर्यटन के लिए भी यह यात्रा वरदान साबित हो रही है। यात्रा के शुरुआती तीन दिन में ही करीब 48 हजार श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं और यात्रियों के उत्साह को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि 38 दिन चलने वाली यात्रा में लगभग चार लाख शिवभक्त दर्शन करने आएंगे। इस यात्रा से सबसे अधिक घोड़े-पालकी, टेंट वाले, छोटे दुकानदार और टैक्सी वाले लाभान्त हो रहे हैं। यानी पैसा सीधा आम आदमी की जेब में जाएगा। यही वर्ग पहलगाम आतंकी हमले के बाद पर्यटकों के न आने से सबसे अधिक प्रभावित भी हुआ है। जम्मू-कश्मीर विशेषकर घाटी में होटल, ट्रांसपोर्ट, दुकानदार, व्यापारी और पर्यटन स्थलों पर काम करने वाले छोटे-छोटे दुकानदार श्री अमरनाथ यात्रा से ही आस लगाए बैठे थे। जम्मू में आधार शिविर यात्री निवास हो या बालटाल व पहलगाम में आधार शिविरों के आसपास गर्म कपड़े, बरसाती, छाते, बैग समेत यात्रा में काम आने वाली वस्तुएं बेचले वाले छोटे दुकानदार, सभी खुश हैं।श्री अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर से आगे कठुआ, सांबा, जम्मू, ऊधमपुर, रामबन से होते हुए श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल जिला से होकर गुजरते हैं। इससे स्थानीय व्यापार को लाभ मिलता है। जम्मू में पंजीकरण तिथि से पहले आ गए यात्री या पंजीकरण कराने के इंतजार में रुके श्रद्धालु खाली समय में जम्मू में रघुनाथ मंदिर, श्री माता वैष्णो देवी व अन्य धार्मिक पर्यटन स्थलों का भी रुख कर रहे हैं। श्रद्धालु अपनी जरूरत के अनुसार छोटी-मोटी खरीदारी भी कर रहे हैं। कई यात्रा के बाद कश्मीर में भी घूम रहे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी लगातार देशभर से श्रद्धालुओं को यात्रा पर आने की अपील कर रहे हैं।

इसका असर भी यात्रा में दिख रहा है। बालटाल रूट में आठ साल से यात्रा के दौरान पिट्ठू का काम करने वाले अल्ताफ अहमद ने कहा, हमें यात्रा का इंतजार रहता है। हम खेती-बाड़ी करते हैं और यात्रा के दौरान करीब 70-80 हजार रुपये कमा लेते हैं। इससे हमारे चार-पांच महीने निकल जाते हैं। हमारे कुछ लोग बालटाल व पहलगाम में दुकानें लगाकर रोजगार कमा रहे हैं। यात्रा में अगर चार लाख श्रद्धालु आते हैं तो औसतन एक यात्री कम से कम 10 हजार रुपये खर्च करता है। इसमें जम्मू से कश्मीर तक बस या टैंपों का किराया। यात्रा मार्ग पर टेंट में रहना, घोड़ा, पिट्ठू या पालकी की सेवा लेना शामिल है। श्रद्धालु बरसाती, जैकेट, गर्म टोपी, मौजे, खाने-पाने का सामान, प्रसाद आदि खरीदते हैं।

युक्तियुक्तकरण से संगीता कंवर बनी तिलईडबरा की आशा

शिक्षकविहीन विद्यालय में लौटी शिक्षा की रौशनी,पढ़ाई में बढ़ी रुचि

नियमित शिक्षिका की पदस्थापना से समय पर पहुँच रहे छात्र

कोरबा । कोरबा जिले के करतला ब्लॉक अंतर्गत वनांचल क्षेत्र में स्थित छोटे से ग्राम तिलईडबरा में शिक्षा की तस्वीर अब बदलने लगी है। वर्षों से शिक्षक की कमी से जूझते शासकीय प्राथमिक शाला में अब युक्तियुक्तकरण के तहत नियमित शिक्षिका श्रीमती संगीता कंवर की पदस्थापना की गई है, जिससे ग्राम में शिक्षा की नई रोशनी पहुंची है। शिक्षिका संगीता कंवर ने विद्यालय में पदभार ग्रहण करने के साथ ही छात्रो को पढ़ाना प्रारंभ किया। आज वे नियमित रूप से कक्षाएं ले रही हैं और छात्रो को पढ़ाई के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा दे रही है। शिक्षिका की उपस्थिति से छात्रो का मन भी पढ़ाई में जम रहा और वे भी अध्ययन में रुचि ले रहे हैं। संगीता कंवर बताती हैं कि प्रदेश सरकार ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से युक्तियुक्तकरण की नीति अपनाई है। इस नीति के अंतर्गत शाला व शिक्षकों का समुचित और आवश्यकतानुसार समायोजन किया गया, जिससे ऐसे विद्यालयों में भी शिक्षक पहुंच सके, जहां वर्षों से कोई शिक्षक नहीं था।

ताकि हर बच्चे को विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर माहौल, संसाधन और पढ़ाई के समान अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि ग्राम तिलईडबरा का प्राथमिक शाला कुछ समय से शिक्षकविहीन था, इस कारण छात्रो की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। पालक भी शिक्षक की कमी के कारण बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित थे। छात्रो की कक्षा संचालन के लिए आस-पास के विद्यालयों से शिक्षक की व्यवस्था किया जाता था, लेकिन वह पर्याप्त नहीं था। ग्रामवासियों के लिए यह विद्यालय इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि वे अपने छोटे बच्चों को दूर के विद्यालय नहीं भेज सकते थे। ऐसे में एक स्थायी शिक्षक की नियुक्ति लंबे समय से आवश्यक थी। अब जब युक्तियुक्तकरण नीति के तहत यहां शिक्षिका की नियुक्ति हुई है, तो छात्रो की पढ़ाई में भी नियमितता आई है। बच्चों में भी शाला आने में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। अब वे समय से पहले शाला पहुंचने लगे हैं। पालकों का कहना है कि अब उन्हें अपने बच्चों के भविष्य की चिंता नहीं रही, क्योंकि उन्हें एक समर्पित शिक्षिका मिल गई है। जिससे अब उनके बच्चों को न केवल शिक्षा का अधिकार मिल रहा है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अनुभव भी हो रहा है।

निर्मला स्कूल के अलंकरण समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुई महापौर राजपूत

कोरबा । कोरबा अंचल अंतर्गत निर्मला स्कूल रिसदी कोरबा में छात्र-छात्राओं का अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति हो कार्यक्रम में बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। बच्चों को बिना किसी भी दबाव में आकर सही मार्गदर्शन प्राप्त कर अपना कैरियर चुनने को कहा। कार्यक्रम में नए पदाधिकारीगण छात्र संघ के बच्चों का शपथ ग्रहण भी समारोह भी आयोजित हुआ, तत्पश्चात विद्यालय के बालक और बालिकाओं ने विभिन्न गानो मे नृत्य भी प्रस्तुत किए।

छात्र बारिश में भीगते हुए छत्तीसगढ़ी गाने मे नृत्य का प्रदर्शन कर रहे थे, इसी दौरान महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने उनके उत्साहवर्धन हेतु उनके बीच जाकर कदम से कदम मिलाकर छत्तीसगढ़ी गाने में सामूहिक नृत्य किया। जिससे विद्यालय के छात्र काफी उत्साहित नज़र आए। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका, छात्र सहित अभिभावकगण उपस्थित रहे।

हार्निया पीड़ित बुजुर्ग को राहत,हुआ सफल आपरेशन

कोरबा। जहां एक ओर परिजन उम्र दराज को लेकर काफी चिंतित थे कि आपरेशन सफल हो सकता है कि नहीं? हार्निया से पीडित 88 वर्षीय वृद्ध बोधन सिंह जिले के सीमावर्ती क्षेत्र कोरबी निवासी जिसे परिजन एसईसीएल चिकित्सालय के आलावा बिलासपुर व रायपुर तक आपरेशन कराने के लिए गये, मगर डॉक्टरों ने उम्र का हवाला देते हुए आपरेशन नहीं कराने की सलाह दी। परिजनों ने 88 वर्षीय वृद्ध के पेट में दर्द बढ़ते देख कोरबा जिले के रजगामार रोड़ स्थित ओज़ोन न्यूरो सेंटर में संपर्क किया हालांकि ओज़ोन न्यूरो सेंटर के सर्जन डॉ0 गोविंद यादव के लिए यह आपरेशन चुनौति भरा ही था।ओज़ोन न्यूरो सेंटर के डायरेक्टर व एनेस्थीसिया डॉ0 वन्या शुक्ला से उच्च स्तरीय बैठक कर इस चुनौति को स्वीकार करते हुए 88 वर्षीय वृद्ध बोधन सिंह का सफल आपरेशन किया गया। एक सप्ताह पूर्व बोधन सिंह को अस्पताल से डिस्चार्ज भी कर दिया गया है, वर्तमान समय पर 88 वर्षीय बोधन सिंह अपने घर पर स्वास्थ लाभ ले रहे है तो वहीं

दुसरी तरफ जहां परिजनों ने पूरी आस छोड़ चुके थे अब काफी खुश है । बोधन सिंह के परिजनों ने ओज़ोन न्यूरो सेंटर की व्यवस्था तथा डॉक्टरों के आलावा पूरे स्टाफ की अच्छी कार्यकुशलता की तारीफ भी की।ओज़ोन न्यूरो सेंटर की डायरेक्टर व एनेस्थीसिया डॉ0 वन्या शुक्ला व सर्जन डॉ0 गोविंद यादव ने बताया की उम्र दराज होने के कारण 88 वर्षीय बोधन सिंह का ऑपरेशन करने में कई समस्या तो रहती हैं । उन्होंने बताया कि बोधन सिंह एएसए ग्रेड आईव्ही रोग से ग्रसित थे, जिसमें स्क्लेरोटिक माइट्रल और महाधमनी वाल्व के साथ इजेक्शन अंश 40 प्रतिशत दी गई, दाएं तरफ हर्नियोराफी और हर्नियोप्लास्टी सफलतापूर्वक लैंडमार्क निर्देशित इलियोइंगुइनल, इलियोहाइपोगैस्ट्रिक और जेनिटोफेमोरल तंत्रिका ब्लॉक की पद्धति से की गई। और यह ऑपरेशन सफल रहा।

खदान के लिए जमीन देने पर किसानों को मिलेगा एक करोड़ से अधिक रूपए

कोरबा। कोल इंडिया की अनुषंगी इकाई ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (ईसीएल) ने भूमि अधिग्रहण के प्रति ग्रामीणों को आकर्षित करने के लिए अपनी नीति में बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव किया है। इस योजना के लागू हो जाने के बाद जमीन देने वालों को अधिक आर्थिक मजबूती मिल सकती है।पहले दो एकड़ जमीन पर एक नौकरी देने का प्रावधान था। अब नौकरी नहीं लेने पर जमीन देने वालों को उस इलाके की जमीन की सरकारी मूल्य के आधार पर राशि मिलेगी। इसके अलावा, प्रत्येक एकड़ पांच लाख के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। नई नीति में नौकरी नहीं लेने वालों को दो एकड़ जमीन पर न्यूनतम 89 लाख और अधिकतम 1.20 करोड़ रुपये भुगतान का नियम लागू किया गया है।न्यूनतम और अधिकतम राशि उस इलाके की जमीन की कीमत पर तय होगी। इसके अलावा, दूसरी नीति के तहत जमीन देने वाला यदि एक मुश्त जमीन का पैसा नहीं लेता है और नौकरी भी नहीं लेता है, तो उसे प्रति एकड़ 5 लाख रुपये के साथ पेंशन की राशि को बढ़ाकर 44,000 कर दिया गया है और यह अब 30 वर्ष नहीं, बल्कि 45 साल तक मिलेगी। इसमें हर साल एक प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।इतना ही नहीं, इस कालखंड में अगर जमीन देने वालों की मौत हो जाती है, तो उसके आश्रित को यह पेंशन उतने दिनों तक मिलती रहेगी। कोल इंडिया बोर्ड की बैठक में इसकी मंजूरी मिल गई है। यह नई नीति जमीन देने वालों को आर्थिक मजबूती प्रदान करेगी और उनके जीवन स्तर में सुधार

हिन्दी को निरंतर आगे बढ़ाना हम सब की जिम्मेदारी

कोरबा। हिन्दी एक सहज, सरल तथा आसानी से समझ में आने वाली भाषा है । आज़ादी मिलने पर हिन्दी को राजभाषा बनने का गौरव मिला था । इसके प्रचार-प्रसार की दिशा में बहुत सारे प्रावधान, नियम, अधिनियम आदि बनाए गए हैं । इन प्रावधानों का अनुपालन हम सभी की ज़िम्मेदारी है । सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हमें हिन्दी के प्रति ज़िम्मेदारी निभाते हुए इसे निरंतर आगे बढ़ाते रहना है ।

उक्त उद्गार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोरबा की 25वीं बैठक में समिति अध्यक्ष राजीव खन्ना, कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी कोरबा ने व्यक्त की । नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कोरबा की की 25वीं बैठक एनटीपीसी के प्रशासनिक भवन स्थित परियोजना प्रमुख सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुई ।बैठक में राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम, रिपोर्ट का प्रेषण, प्रयोग, प्रचार-प्रसार तथा कार्यान्वयन के विभिन्न मदों पर विस्तृत चर्चा के साथ ही न्यू इंडिया इन्शुरेंस तथा भारतीय डाकघर के राजभाषा प्रगति की समीक्षा भी की गई । बैठक आरंभ होने से पूर्व एनटीपीसी के मानव संसाधन प्रमुख श्री शशि शेखर ने समिति अध्यक्ष सहित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों से पधारे कार्यालय प्रमुखों और हिन्दी अधिकारियों/प्रभारियों का स्वागत करते हुए राजभाषा हिन्दी की गतिविधियों से अवगत करवाया ।? बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति अध्यक्ष राजीव खन्ना, कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी कोरबा ने सभी सदस्य-कार्यालय के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि यह बड़े ही हर्ष का विषय है कि आज नराकास कोरबा की 25वीं बैठक हो रही है । नराकास के माध्यम से हमें आपसी विचार-विमर्श करने के साथ ही एक-दूसरे से मिलने और समझने का मौका मिलता है । हमें आज की बैठक में हुई चर्चाओं पर ध्यान देते हुए राजभाषा संबंधी नियमों, नीतियों तथा प्रावधानों को गंभीरता से लेते हुए हिन्दी कार्यान्वयन और प्रचार-प्रसार को गति प्रदान करना है । श्री खन्ना ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से हम राजभाषा हिन्दी को एक नई दिशा देने में सफल होंगे । इस बैठक में विभिन्न सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख और राजभाषा पदाधिकारी उपस्थित थे । बैठक की कार्यवाही का संचालन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य-सचिव पवन कुमार मिश्र, प्रबन्धक (राजभाषा) एनटीपीसी, कोरबा ने किया ।

गवर्नमेंट ई.वी.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा में छात्रावास शुरू

कोरबा । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वर्षों के संघर्ष, आंदोलनों और अथक प्रयासों के बाद गवर्नमेंट ई.वी.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा में छात्रावास की सुविधा शुरू कर दी गई है। सत्र 2025-26 के लिए छात्राओं के छात्रावास में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह सुविधा खासकर उन छात्राओं के लिए वरदान साबित होगी, जो नगर निगम सीमा के बाहर से आती हैं और जिन्हें अब प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी सूचना में बताया गया है कि इच्छुक छात्राएं सहायक ग्रेड-3 श्रीमती सरिता सिदार से छात्रावास प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही महाविद्यालय की प्रवेश रसीद की छायाप्रति के साथ फॉर्म जमा करना अनिवार्य होगा। एबीवीपी कार्यकर्ताओं और छात्राओं में इस खबर से जबरदस्त उत्साह और खुशी का माहौल है। परिषद के सदस्यों ने इसे संगठन की जीत बताते हुए छात्र हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

बालको में आयोजित जगन्नाथ की बहुड़ यात्रा में शामिल हुए भक्त गण

बालकोनगर। उत्कल भारती सेवा समिति, बालको द्वारा भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा धूमधाम से आयोजित की गई। बालको के मुख्य प्रचालन अधिकारी श्री आशुतोष द्विवेदी सहित अनेक बालको अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों और नगरवासियों ने धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। 5 जुलाई को तीनों भाई-बहन महाप्रभु जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा बहुड़ा यात्रा के दौराम गुंडिचा मंदिर (रामलीला मैदान) से अपने घर (राम मन्दिर) वापस आए।श्री आशुतोष द्विवेदी की अगुवाई में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर पुण्य अर्जित किया। रथ के आगे चल रहे कर्मा नर्तकों के दल ने तालबद्ध नृत्य से श्रंद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बहुड़ा यात्रा बालकोनगर के विभिन्न मार्गों से होते हुई राममंदिर तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की स्थापना कर उनकी आराधना की। 27 जून से 05 जुलाई पूरे 9 दिनों तक मौसी के घर रहकर महाप्रभु जगन्नाथ घर वापस आए। बालकोनगर में 44 वर्षों से रथ यात्रा उत्सव आयोजित किए जाने की परंपरा है।

कोरबा। शनिवार को एसईसीएल (एसईसीएल) सीएमडी हरीश दुहन की अध्यक्षता में एसईसीएल इंदिरा विहार स्थित बिलासपुर भवन में एसईसीएल संचालन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

श्रम संगठनों द्वारा दिनांक 09 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रीय आम हड़ताल के संबंध में इस बैठक का आयोजन किया गया था।

बैठक में निदेशक तकनीकी (संचालन सह योजना/परियोजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) बिरंची दास तथा श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि नाथूलाल पांडेय (एचएमएस), सुजीत कुमार सिंह (बीएमएस), अजय विश्वकर्मा (एटक), गोपाल नारायण सिंह (एसईकेएमसी), वी. एम. मनोहर (सीटू) एवं अनिल कुमार पांडेय (सीएमओएआई), एवं मुख्यालय के संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।बैठक में प्रबंधन ने श्रमिक संगठनों से 9 जुलाई, 2025 को देश के विभिन्न श्रम संगठनों द्वारा बुलाई गई आम हड़ताल में भाग ना लेने एवं कोयला उत्पादन सुचारू रूप से जारी रखने में सहयोग करने की अपील की। बैठक में एक प्रस्तुति के माध्यम से कंपनी की उत्पादन एवं उत्पादकता के बारे में जानकारी दी गई।

दादर खुर्द में शाला प्रवेश उत्सव अंतर्गत साइकिल वितरण और पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

कोरबा। कोरबा अंचल कोसाबाड़ी मंडल के शक्तिकेंद्र दादर खुर्द वार्ड क्रमांक 34 स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय हाई स्कूल में 4 जुलाई को शाला प्रवेश उत्सव, सरस्वती साइकिल वितरण, पाठ्यपुस्तक वितरण एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत हलदर का पौधारोपण कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री सह कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। श्री देवांगन ने कहा कि बच्चों के शारीरिक विकास के लिए डीएमएफ फंड से पौष्टिक आहार की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा में मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को साइकिल वितरित कर उनके उत्साह को दोगुना किया और पर्यावरण संरक्षण की पहल के तहत पौधारोपण भी किया।उक्त कार्यक्रम में कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाटनवार, प्राचार्या श्रीमती तिवारी, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गोपलाल राठिया, पार्षद श्रीमती सुनीता चौहान, पार्षद प्रताप सिंह कंवर, राम

कुमार त्रिपाठी, सकुंदी यादव, लालेश दुबे, पुनिराम साहू, जय लहरे, अनिल यादव, भारत सोनी, श्रीमती सरस्वती पटेल, श्रीमती गुड़िया यादव, लीला राम पटेल, आकाश श्रीवास्तव, हेमंत चंद्र, नन्हे दाऊ पटेल, जुगल पालीवाल, सतानंद पटेल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन, शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्याम मित्र मंडल चुनाव हेतु नामांकन की प्रक्रिया संपन्न

अध्यक्ष पद के लिए दो दावेदार मैदान मे

कोरबा । श्री श्याम मित्र मंडल कोरबा के होने वाले चुनाव के लिए अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया, मुख्य चुनाव अधिकारी नगर निगम कोरबा के सभापति नूतन सिंह ठाकुर के अनुसार श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष पद के लिए चार दावेदारों ने अपना नामांकन दाखिल किया था, जिसमें नाम वापसी के पश्चात गोपाल अग्रवाल और जगदीश सोनी अध्यक्ष पद के लिए अपना भाग्य आजमाएंगे। दूसरी ओर उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और दो सदस्य के पद हेतु एक एक नामांकन प्राप्त होने एवं सचिव तथा कोषाध्यक्ष के नाम वापसी के पश्चात सत्यनारायण अग्रवाल को उपाध्यक्ष, महेंद्र अग्रवाल को सचिव, अरविंद सिंघानिया को कोषाध्यक्ष, संजय केडिया को संयुक्त सचिव एवं आलोक अग्रवाल तथा राजकुमार सोनी को सदस्य निर्वाचित किया गया है।मुख्य चुनाव अधिकारी नूतन सिंह ठाकुर ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए 10 जुलाई को प्रात: 10ः00 से दोपहर 3ः00 तक मतदान सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने श्री श्याम मित्र मंडल के सभी सदस्यों से मतदान में हिस्सा लेने अपील की है।

शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए विधायक प्रेमचंद पटेल

कोरबा । कोरबा जिले के ब्लॉक पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत कोरबी (धतुरा) में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कटघोरा विधानसभा के विधायक प्रेमचंद पटेल उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी विद्यार्थियों के पारंपरिक स्वागत माता ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के पूजा-अर्चना पश्चात राजकीय गीत, अरपा पैरे के धार, के साथ स्वागत कार्यक्रम हुई, फिर नव प्रवेशी बच्चों को तिलक, माला एवं मिठाई के साथ आत्मीयता से सम्मानित किया गया। बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म वितरण किया गया। साथ ही कक्षा 6वीं व 9मीं के प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान कर

उनका मनोबल बढ़ाया गया।एक पेड़ माँ के नामअभियान के तहत अतिथियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। एवं 2024-25 में स्कुल में स्कुल प्रथम आये 12वी 1वी 10वी 9वी के छात्रों-छात्राओं को इनाम वितरण किया गया, एवं शिक्षक जों उत्कृष्ट पढ़ाई करने में बच्चों को योगदान दिया उन्हें भी कार्यक्रम में विधायक पटेल द्वारा सम्मानित किया गए।

इस अवसर पर जनपद सदस्य एवं सभापति कमलेश कुर्रे, सरपंच विजय सिंह धनुवार उप सरपंच प्रतिनिधि मौसम राठौर शिव राठौर गोपाल कौशिक, अभिषेक तिवारी बलदेव तंवर मन्नू राठौर, छोटे लाल पटेल सहित जनप्रतिनिधि, स्कूल के प्रचार्य वीरभद्र सिंह पैकरा सुरेन्द्र राठौर, तिवारी मैडम, श्रीवास सर, साहू सर एवं शैक्षिक अमला बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नीतू ने संभाली इनर व्हील क्लब के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

कोरबा । सेवा, सशक्तिकरण और सामाजिक सरोकार की नई दिशा तय करने के संकल्प के साथ इनर व्हील क्लब कोरबा की नई कार्यकारिणी ने 3 जुलाई बुधवार को ब्लू डायमंड होटल में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ग्रहण किया। कार्यक्रम में गरिमामय माहौल के बीच नीतू अरोड़ा ने क्लब की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभाली।

इस अवसर पर भारती अरोड़ा को उपाध्यक्ष, रीता क्षेत्रपाल को सचिव, ज्योति जुनेजा को कोषाध्यक्ष, उषा शर्मा को आईएसओ, सिमरन कौर को एडिटर और चरणजीत कौर को ई-एडमिन का दायित्व सौंपा गया। पुराने पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नई टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

नई कार्यकारिणी ने आगामी वर्ष के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न सामाजिक प्रकल्पों की घोषणा कर उत्साह और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। क्लब की सीनियर सदस्याओं महेंद्र कौर, मनदीप कौर, कुलदीप कौर, प्रतिभा पुंडलिक, संगीता गुरु गोस्वामी, ज्योति अरोड़ा, बॉबी धंजल, वसंता मनोहर, लाडो दुआ, नेहा अरोड़ा, तरनजीत कौर और रानी कौर ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को खास बनाया। इस अवसर पर नए सदस्य गुरप्रीत राजपाल ने भी शपथ लेकर क्लब में नई ऊर्जा का संचार किया। सभी सदस्यों की मौजूदगी और सहयोग से आयोजन बेहद सफल और प्रेरणादायक रहा।

यातायात व्यवस्था सुधारने, ब्लैक स्पॉट दुरुस्त करने कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

कोरबा । कोरबा जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने और यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित व सुगम बनाने के उद्देश्य से कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुगमता तथा सड़क मरम्मत व सुधार संबंधी विषयों पर गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वसंत ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर अविलंब सुधार कार्य किया जाए। साथ ही बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए सड़कों के गड्ढों का भराव, आवश्यक मरम्मत और संकेतकों की व्यवस्था प्राथमिकता से की जाए।उक्त बैठक में कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा सहित यातायात, पीडब्ल्यूडी, नेशनल हाईवे, एनएचएआई, बाल्को, एसईसीएल एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कोरबा

जिला कलेक्टर ने तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी, ओवरस्पीडिंग पर नियंत्रण तथा रात्रि में आवश्यक प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्पीड ब्रेकर, स्पीड लिमिट बोर्ड एवं चेतावनी संकेतकों को स्पष्ट और उपयुक्त स्थानों पर बनाए जाएं ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सके। उन्होंने सभी निर्माण व रखरखाव एजेंसियों को निर्देशित किया कि सड़कों के किनारे झाड़ियों की छंटाई कराई जाए और मरम्मत योग्य हिस्सों को तुरंत दुरुस्त किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सार्वजनिक उपक्रमों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्राधिकार में आने वाली सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और बारिश के दौरान आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न हो। श्री वसंत ने मादक पदार्थो का सेवन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु समय-समय पर शिविरों, रैली एवं अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

नाली निर्माण की अनदेखी से क्षेत्र के ग्रामीण परेशान

कोरबा । कोरबा-पश्चिम जोरहा डबरी के जयस्तंभ चौक में नाली निर्माण की अनदेखी से ग्रामीण परेशान हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा मुख्य मार्ग का निर्माण किया गया है, लेकिन जयस्तंभ चौक पर पुलिया या नाली नहीं बनने से पानी का भराव हो रहा है। जनकारी के अनुसार सरपंच द्वारा कई बार शिकायत करने के बाद भी विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही के कारण नाली निर्माण का अभाव है जिसके कारण जल निकासी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। घरों में पानी घुसने लगा है, वहीं विद्यालयीन छात्रों व ग्रामीणों को लबालब पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। नाली निर्माण न होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है, पानी जमाव के कारण बीमारी और दुर्घटना का भी खतरा बढ़ सकता है।

यात्रा के साथ अपने धाम वापस आये महाप्रभू

चांपा। चांपा नगर एक बार फिर भक्ति रस में डूब गया है, जब भगवान जगन्नाथ जी नौ दिवसीय विश्राम के बाद अपने निजधाम बड़े मठ मंदिर को लौटे। जगन्नाथ रथयात्रा, जो नगर की वर्षों पुरानी परंपरा का प्रतीक है, अपनी धार्मिक गरिमा और लोक आस्था के साथ संपन्न हुई।

इस यात्रा में श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा दो प्रमुख स्थानों बड़े मठ मंदिर और पढ़ीघाट मंदिर से निकाली जाती है। इस वर्ष भी यह परंपरा श्रद्धा के साथ निभाई गई। बड़े मठ मंदिर से निकली भगवान जगन्नाथ जी की यात्रा ने पूरे नगर को धर्ममय बना दिया। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ पिछले नौ दिनों से सदर बाजार स्थित संतोष सोनी के निवास पर ठहरे हुए थे, जहां नगरवासियों ने दिन-रात सेवा, भजन और पूजन में कोई कसर नहीं छोड़ी। यह निवास भगवान का 'गुंडिचा मंदिर' माना जाता है, जहां वे वर्ष में एक बार नौ दिनों के लिए ठहरते हैं।

5 जुलाई की शाम को भगवान जगन्नाथ जी की वापसी यात्रा बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ आरंभ हुई। यात्रा आरंभ होने से पूर्व मठ मंदिर के पुजारी कृष्ण धर मिश्रा, पद्मेश शर्मा और संजीव मिश्रा ने विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की गई। इसके बाद रथ को रस्सियों से खींचकर यात्रा प्रारंभ की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मठ के महंत लाल दास कुंवर भिवेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि रथयात्रा न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह समाज को जोड़ने का पर्व है। इस अवसर पर सत्यनारायण सोनी योगेंद्र तिवारी, प्रशांत तिवारी, शैलेन्द्र तिवारी, राहुल मिश्रा, कृष्ण देवांगन, सुनील सोनी, योगेश पाठक, अमित विश्वकर्मा मौजूद रहे।

रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ रथ यात्रा सदर बाजार से आरंभ होकर राधाकृष्णन मंदिर, मस्जिद मोहल्ला, सोनी मोहल्ला होते हुए बड़े मठ मंदिर तक पहुंची। पूरे मार्ग को फूलों, तोरण द्वारों और रंगोली से सजाया था। विभिन्न मोहल्लों में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत पंडाल बनाए और भगवान की आरती उतारी। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए कलश लेकर स्वागत में खड़ी थीं तो युवाओं की टोली ढोल-मंजीरे के साथ हरिबोल, जय जगन्नाथ के उद्घोष कर रही थी।

डॉ सिसोदिया संयुक्त संचालक स्वास्थ्य का प्रगतिशील पेंशनर संघ ने किया स्वागत

जांजगीर चांपा। छग प्रगतिशील,स्वास्थ्य पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष आर के थवाईत के अगुवाई में बिलासपुर संभाग के नव पदस्थ संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ स्वाति वंदना सिसोदिया का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया और विगत दिनों मप्र छग के कुष्ठ कर्मचारी पेंशनरों का डोंगरगढ़ सम्मेलन का स्मारिका एवं बिलासपुर में संपन्न हुए स्वास्थ्य एवं प्रगतिशील पेंशनर सम्मेलन सम्मान समारोह का मोमेंटो भेंट किया गया। इस अवसर पर पेंशनर संघ द्वारा बिलासपुर संभाग में बी ई टी ओ के पद पर पूर्व में की गई पदोन्नति में हुए विसंगतियों की और ध्यान आकर्षित किया गया। संघ द्वारा संयुक्त संचालक को अवगत कराया गया कि संभाग में अनेक वरिष्ठ स्वास्थ्य सुपरवाइजर एम ए समाजशास्त्र की परीक्षा पास है, उन्होंने परीक्षा में बैठने की अनुमति का आवेदन अपने नियंत्रण अधिकारी संबंधित बी एम ओ के कार्यालय में जमा किए है, और बी एम ओ द्वारा भी उनका आवेदन सीएमएचओ कार्यालय अग्रेषित किया गया है, लेकिन उन्हें सीएमएचओ कार्यालय से अनुमति पत्र जारी नहीं किया गया, चूंकि सेवा पुस्तिका का संधारण बीएमओ कार्यालय में होता है ,और बीएमओ द्वारा संबंधित का पत्र सीएमएचओ को अग्रेषित किया गया है इसलिए बीएमओ द्वारा एम ए पास की प्रविष्टि भी सेवा पुस्तिका में है। इसलिए संघ द्वारा ऐसे सभी एम ए पास धारी स्वास्थ्य सुपरवाइजरों को एम ए की अनुमति कार्योत्तर स्वीकृति जारी करके उन्हें भी बी इ टी ओ पद पर पदोन्नत करने की मांग की है। संयुक्त संचालक डॉ सिसोदिया से प्रकरण पर संचालक से मार्गदर्शन लेकर प्रकरण पर। शीघ्र कार्यवाही करने की बात कही है। नव पदस्थ संयुक्त संचालक के स्वागत में संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष के एस ठाकुर, महामंत्री श्री सुंदर सिंह ठाकुर, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मिश्रा आर के थवाईत, प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित थे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे कर दो भाइयों मयंक और श्रियंक ने कमाए 73250 रुपए

जांजगीर-चांपा। राजस्व विभाग में रबी फसल के दौरान युवाओं को रोजगार के अवसर के रूप में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य कराया गया था। जिसमें ऐसे युवाओं को मौका दिया गया था जो न्यूनतम 10वी पास हो और जिनके पास खुद का एंड्रॉयड मोबाइल हो। इसके तहत फसल सर्वे करने पर प्रति खसरे का 10 रुपए दिए जाने की योजना है।

अधीक्षक भू अभिलेख विनय पटेल ने बताया कि रबी फसल के दौरान फसल सर्वे कार्य को सजगता से करते हुए ग्राम कन्हईबंद और सिवनी का सर्वे कर मयंक और श्रियंक दोनों भाईयों ने कुल 73250 रुपए अर्जित किए है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत आगामी खरीफ फसल के सर्वे हेतु यदि कोई युवा आगामी खरीफ फसल में फसल सर्वे करने इच्छुक हो तो अपने ग्राम के पटवारी या तहसील कार्यालय में संपर्क कर सकते है। उनके हर खसरे के सर्वे हेतु 10 रुपए का मानदेय सीधे उनके बैंक खाते में दिया जाएगा।

शासकीय उचित मुल्य दुकान बिर्रा रोड चाम्पा में लाखों रुपए का गबन

जांजगीर चाम्पा। विकास खण्ड बम्हनीडीह अंतर्गत शासकीय उचित मुल्य दुकान बिर्रा रोड चाम्पा जिसका संचालन सहकारी विपणन एवं प्रक्रिया संस्था मर्यादित चाम्पा के विक्रेता सोहन यादव के द्वारा किया जाता था। जिसके द्वारा चावल व नमक कीमती 16,91,588/ रूपये का धोखाधड़ी कर गबन किया गया है जिसकी सुचना रिपोर्ट पर दिनांक 04.05.2025 को आरोपी के विरूद्ध थाना चाम्पा में अपराध धारा 318(4),316 (5) बीएनएस 3.7 आवश्यक वस्तु अधि0 1955 के तहत पंजीबद्ध विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना चांपा पुलिस द्वारा आरोपी को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको धोखाधड़ी करने के सबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर दिनांक 05.07.2025 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

बुजुर्ग महिला से मारपीट करने वाला फरार आरोपी पकड़ाया

जांजगीर चांपा। आरोपी बलराम सूर्यवंशी द्वारा दिनांक 13.01.25 को 11.30 बजे रात्रि में रंजिश को लेकर एक बुजुर्ग महिला के घर के दरवाजा को धक्का देकर डंडा लेकर घर के अंदर घुस कर उनको अश्लील गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का एवं डंडा से मारपीट करने लगा, प्रार्थिया जोर-जोर से चिल्लाई तो आरोपी घर से भाग गया कि सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना जांजगीर में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी घटना घटित कर फरार था जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में मुखबिर सूचना से आरोपी बलराम सूर्यवंशी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

शादी करने का झांसा देकर अनाचार करने वाला आरोपी गिरफ्तार थाना

जांजगीर चांपा। ।आरोपी का पीड़िता से जान पहचान होने से दोनों एक दूसरे से बातचीत करते थे। इसी बीच आरोपी द्वारा पीड़िता को शादी करने का झांसा देकर उनके साथ जबरन अनाचार किया, पीड़िता शादी करने के लिए बोली तो आरोपी द्वारा टाल मटोल करने लगा की सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 04.07.2025 को आरोपी के विरुद्ध थाना सारागांव में अप.क्रं. 97/25 धारा 376 (2) (n) भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को लेकर हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय (IPS) के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप एवं SDOP चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी विरेन्द्र हंसराज निवासी कमरीद भाठापारा थाना सारागांव को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

पीएम सूर्य घर योजना से यशवंत कुमार राठौर हुए लाभान्वित

सक्ती। केन्द्र सरकार की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' से प्रदेश सहित जिले में अब लोग स्वयं के घर में बिजली बनाकर न केवल बिजली बिल से मुक्ति पा रहे हैं, बल्कि हर महीने बिजली विभाग से अतिरिक्त यूनिट के बदले लाभ भी कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से आम परिवार बिजली के लिए आत्मनिर्भर बन रहे हैं और हर महीने की बचत से आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रहे हैं। इसी कड़ी में सक्ती जिले के बाराद्वार निवासी यशवंत कुमार राठौर भी लाभान्वित हुए है। उन्होंने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाया है। उन्होंने बताया कि सोलर प्लांट से गर्मी के दिनो में लगभग 18 यूनिट तक तो वहीं बरसात के दिनों में लगभग 10 यूनिट तक बिजली उत्पन्न हो रही है। उन्होने कहा कि यह योजना आम लोगों के लिए बहुत ही लाभकारी और उपयोगी है। इससे न सिर्फ बिजली की बचत होती है, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा में भी मदद मिलती है। उन्होनें सभी नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस योजना से जुड़ें और अपने बिजली बिल में कमी लाए। इच्छुक उपभोक्ता इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पीएम सूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट इन वेब पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर एप्प अथवा नजदीकी विद्युत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

युक्तियुक्तकरण के तहत शासकीय स्कूल नगरदा को मिला जीवविज्ञान का शिक्षक

सक्ती। शासन के युक्तियुक्तकरण की पहल से जिले में शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो रही है। साथ ही विद्यार्थीयों को गुणवत्तापूर्वक शिक्षा भी मिल रही है। शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल नगरदा में युक्तियुक्तकरण की पहल के पहले जीवविज्ञान के शिक्षक नही थे। उक्त विद्यालय में जीवविज्ञान विषय का शिक्षक ना होने के कारण शिक्षण प्रदान करने में कठिनाई होती थीं, अब युक्तियुक्तकरण से जीवविज्ञान विषय के शिक्षक की पदस्थापना शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल नगरदा में हुई है। इससे विद्यार्थियों को संतुलित ढंग से शिक्षण उपलब्ध हो रहा है। शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल नगरदा के प्राचार्य छतराम सिदार ने बताया कि अब जीवविज्ञान विषय के शिक्षक की व्यवस्था हो जाने से विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिल रही है और इससे परिणाम भी गुणवत्तापूर्ण आएंगे।

विधानसभा सत्र के मद्देनजर अवकाश पर लगा प्रतिबंध

सक्ती। छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधानसभा का षष्ठम् सत्र दिनांक 14 जुलाई 2025 से प्रारंभ होने के फलस्वरूप कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने विधानसभा सत्र के अवसान तक जिले के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश के तहत कोई भी अधिकारी किसी भी प्रकार के अवकाश पर प्रस्थान नहीं करेंगे एवं अपने निर्धारित मुख्यालय पर ही रहेंगे। कार्यालय प्रमुख अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को कोई अवकाश स्वीकृत नहीं करेंगे। अवकाश की नितांत आवश्यकता होने पर कलेक्टर, सक्ती के द्वारा ही अवकाश स्वीकृत किये जावेगें। जिसका नस्ती विभाग प्रमुख द्वारा स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करेगें।

विद्युत समस्या से बौखलाए लोग, सीएसईबी से मांगा जवाब

सक्ती। सक्ती शहर में इन दिनों बिजली व्यवस्था बिगड़ गई है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी हो रही है। शहर समेत पूरे जिले में बिजली कटौती से परेशान लोग शुक्रवार को नाराज हो गए।घंटों बिजली बंद रहने से तंग आ चुके उपभोक्ता बड़ी संख्या में ईई कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से जवाब मांगा। सक्ती जिला मुख्यालय और ग्रामीण क्षेत्रों के सहायक अभियंताओं से जब उपभोक्ताओं ने बात की, तो उन्होंने बारिश को कारण बताया। उनका कहना था कि बारिश से इंसुलेटर टूट जाते हैं, जिससे सप्लाई बार-बार बाधित हो रही है। इस तरह अधिकारी जिम्मेदारी से बचते नजर आए। उपभोक्ताओं ने सवाल उठाया कि हर साल गर्मी में प्री मानसून बिजली लाइन मेंटेनेंस के नाम पर अघोषित कटौती की जाती है और बारिश के दौरान भी यही स्थिति बनी रहती है। विभाग के पास इसकी तैयारी क्यों नहीं होती? विभाग के पास न तो कोई ठोस जवाब था, न ही समाधान की स्पष्ट समय सीमा। पूर्व मंत्री नोवेल कुमार वर्मा ने बताया कि लगातार बिजली कटौती से पूरा जिला परेशान है। इसी कारण वे बिजली विभाग के कार्यपालन यंत्री के कार्यालय पहुंचे, जहां सहायक अभियंताओं से मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि जल्द ही विद्युत व्यवस्था को ठीक किया जाएगा। साथ ही चेतावनी दी कि अगर बिजली कटौती जारी रही तो आगे आंदोलन किया जाएगा।

म्यूल एकाउंट से ठगी के मामले में आरोपियों को भेजा जेल

शिवरीनारायण। म्यूल अकाउंट के जरिए ऑनलाइन साइबर फ्रॉड में संलिप्त तीन फरार आरोपियों को शिवरीनारायण पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले इसी प्रकरण में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

एसपी विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में साइबर ठगी के मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। आरोपी सूर्यकांत यादव (शिवरीनारायण), सरोज साहू (बिर्रा) और रवि मनहर (पौड़ी नवागढ़) को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि इन आरोपियों के बैंक खातों में कुल 31,49,312 की साइबर ठगी की रकम का लेन-देन हुआ है। ये खाते एक्सिस बैंक, शिवरीनारायण शाखा के हैं और इनका उपयोग साइबर अपराधियों ने फर्जी ट्रांजेक्शन के लिए किया। गिरफ्तार आरोपियों ने कमीशन के लालच में अपने खाते साइबर ठगों को किराए पर दिए थे।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लखन लाल सुल्तान नामक एजेंट को खाते उपलब्ध कराते थे, जो बदले में 12-15 हजार प्रति खाता देता था। लखन लाल ने करीब 10-15 खाते गांधी शान्डे को दिए थे, जो वर्तमान में रायगढ़ जेल में बंद है। पुलिस के अनुसार देश के कई राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान से शिकायतें समन्वय पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। इसी आधार पर आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 259/2025 अंतर्गत धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111(बी), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

लेपटॉप की पात्रता अर्जित की 10-12 वीं परीक्षा के टॉपर्स विद्यार्थियों ने

अकलतरा। नगर के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने शनिवार को निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। प्राचार्य गीता सिंह से पाठ्य पुस्तक वितरण की स्थिति पूछी।

प्राचार्य ने बताया कि सभी किताबें उपलब्ध हैं और छात्रों को बांटी जा रही है। विधायक ने कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों से संवाद किया। पढ़ाई और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। छात्रों को जीवन में लक्ष्य तय करने और उस दिशा में मेहनत करने की प्रेरणा दी। विधायक को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राएं उत्साहित दिखे। राघवेन्द्र सिंह ने घोषणा की कि बोर्ड परीक्षा में टॉप-10 में आने वाले 10वीं और 12वीं के छात्रों को वे अपनी ओर से लैपटॉप और कंप्यूटर देंगे। उन्होंने छात्रों को पाठ्य सामग्री भी वितरित की। निरीक्षण के दौरान स्कूल का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। स्कूल में पीने के पानी की समस्या को देखते हुए विधायक ने अपनी ओर से वाटर कूलर भी दिया गया। कुछ माह पहले स्कूल दौरे के दौरान उन्हें यह जानकारी मिली थी कि छात्रों को ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है। वाटर कूलर मिलने पर प्राचार्य और स्टाफ ने विधायक का आभार जताया।

ज्ञानदीप स्कूल में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि मनाई गई

जांजगीर। ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर में स्वामी विवेकानंद जी के पुण्यतिथि दिवस पर विशेष कार्यक्रम रखा गया। मुख्य अतिथि एल.एस.गौतम विशेष अतिथि श्रीमती योग माया तिवारी मैडम, सतीश साहू एवं ज्ञानदीप स्कूल के समस्त स्टाफ रहे। यह कार्यक्रम ज्ञानदीप स्कूल के प्राचार्य डॉ.अखिलेश कटकवार के दिशा निर्देशन में संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में शाला एन एस एस के सभी छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रंजीत डहरिया (रासेयो) कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती व स्वामी विवेकानंद जी के चलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि एल.एस. गौतम द्वारा आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर्यंत को विस्तार पूर्वक छात्रों को बताया। श्रीमती योग माया तिवारी एवं सतीश साहू ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, उद्देश्य एवं इतिहास के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे स्वामी विवेकानंद जी को अध्यात्म की ज्ञान हुई तथा क्यों उनको महान आत्मा,अमर आत्मा एवं संत कहा गया। स्वामी जी का विश्वास था कि प्रत्येक आत्मा में ईश्वरीय शक्ति निहित है और इस शक्ति को जागृत करना ही मानव जीवन का उद्देश्य है । उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्त न हो । यह उनका वह मंत्र है जो हमें आत्मविश्वास और कर्मठता की ओर प्रेरित करता है । उनकी नजर में धर्म का सार सेवा और प्रेम में निहित है। उन्होंने कहा था जो तुम्हें कमजोर बनाए वह धर्म नहीं, जो तुम्हें शक्ति दे वही धर्म है। उनका जीवन एक तपस्वी और एक कर्म योगी का अनुपम संगम था । अंत में कार्यक्रम अधिकारी रंजीत डहरिया द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

श्रीमद भागवत कथा आज से प्रारंभ

बाराद्वार। रेलवे फाटक के पास 7 से 15 जुलाई तक पटेल परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है। बताया कि आयोजन स्थल से कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन प्रारंभ होगा।

मुक्तिधाम ना होने से कई प्रकार की परेशानी, निर्माण के लिए दिए 5 लाख

अकलतरा। ग्राम पंचायत बाना में 2 जुलाई को 60 वर्षीय आदिवासी महिला की मौत के बाद गांव में मुक्तिधाम नहीं होने से परिजनों को खुले आसमान के नीचे बारिश में अंतिम संस्कार करना पड़ा। इस घटना के बाद विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने ग्राम पंचायत बाना के सरपंच और पंचों से चर्चा की। उन्होंने विधायक निधि से 5 लाख रुपए की राशि मंजूर कर निर्माण कार्य शुरू करने का पत्र पंचायत को भेजा। विधायक ने बताया कि विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों में मुक्तिधाम नहीं है, जिससे ग्रामीणों को शवों का अंतिम संस्कार खुले में करना पड़ता है। पिछले साल ग्राम बुची हरदी में भी ऐसी ही स्थिति बनी थी, जहां बारिश में खुले में शव का दाह संस्कार हुआ था। इसके बाद विधायक निधि से 5 लाख रुपए स्वीकृत कर निर्माण कार्य पूरा कराया गया। कटघरी में भी विधायक निधि से मुक्तिधाम का निर्माण पूरा हो चुका है। पोड़ीदलहा में मुक्तिधाम की जमीन पर बेजा कब्जा था। पंचायत ने कब्जा हटाया, अब निर्माण शुरू होगा। परसाहीबाना, बरपाली और खिसोरा में भी मुक्तिधाम नहीं हैं। इन गांवों में मनरेगा योजना के तहत निर्माण के लिए कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को पत्र भेजा गया है। विधायक ने कहा कि यदि राज्य शासन और जिला प्रशासन से राशि नहीं मिली तो विधायक निधि से राशि दी जाएगी। विकास कार्यों की अनदेखी को लेकर मानसून सत्र में विधानसभा में मामला उठाया जाएगा।

नियम तोड़ने पर चालकों के खिलाफ कार्यवाही

जांजगीर। सड़क हादसों और ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने बुलेट चालकों पर सख्त कार्रवाई शुरू की है। 3 और 4 जुलाई को चलाए गए विशेष अभियान में 16 बुलेट चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इनकी बाइकों से प्रेशर हॉर्न और मोडिफाइड साइलेंसर हटवाए गए। अभियान के दौरान 173 अन्य वाहन चालकों पर भी कार्रवाई की गई। इनमें ट्रिपल सवारी, तेज रफ्तार, बिना हेलमेट बाइक चलाना, बिना सीट बेल्ट कार चलाना, नो एंट्री में भारी वाहन ले जाना और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन शामिल है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के निर्देश पर की गई। अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार ने किया।

पौधे लगाने के साथ संरक्षण का संकल्प

मुलमुला। सेवा सहकारी समिति मुलमुला परिसर में एक पेड़ मां नाम से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के प्राधिकृत अधिकारी धनजीत कुमार सिंह, मधुसूदन साहू, घनश्याम सिंह, पुष्पराज सिंह, शुभम कश्यप, संतराम कश्यप और दिलिप सूर्यवंशी ने पौधे लगाए।

कार्यक्रम में अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए। अधिकारी धनजीत कुमार सिंह ने कहा कि पेड़ लगाना मां की सेवा जैसा है। हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा मिलेगी। पौधरोपण के बाद सभी ने पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। समिति द्वारा पौधरोपण के बाद सभी ने स्वच्छता का संकल्प भी लिया।

महिला सशक्तिकरण केंद्र एवं घरेलू हिंसा संरक्षण अधिकारी पद के लिए दावा आपत्ति 8 जुलाई तक आमंत्रित

सक्ती । महिला एवं बाल विकास विभाग जिला सक्ती द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत महिला सशक्तिकरण केन्द्र डीएचईडब्लू के 08 पद एवं घरेलु हिंसा संरक्षण अधिकारी नवा बिहान के 01 पद के लिए दावा आपत्ति हेतु सूची जिला प्रशासन सक्ती के वेब साईट https://sakti.cg.gov.in/ पर जारी की गई है। आवेदक 08 जुलाई 2025 तक प्रमाण सहित दावा आपत्ति महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय में कर सकते हैं।

इन पदों पर चयन हेतु दस्तावेज सत्यापन, लिखित, कौशल परीक्षा, साक्षात्कार दिनांक 11,12,14 जुलाई 2025 को संभावित है। दस्तावेज सत्यापन हेतु सभी मूल प्रमाणपत्र, अनुभव के समर्थन में प्राप्त वेतन के प्रमाण स्वरूप बैंक स्टेटमेंट, पे स्लिप वाउचर, पास बुक की छायाप्रति मूल प्रति के साथ प्रस्तुत करना होगा। इसके अभाव में आवेदक को अपात्र किया जाएगा।

अनमोल वचन......

निंदा से घबराकर लक्ष्यको ना छोड़ें क्योंकि लक्ष्य मिलते ही निंदा करने वालों की राय बदल जाती है..

शाब्दिक जोड़ घटाव पर विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है।

भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े थे।

उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है।आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की 'मूल भावना' को बहाल करने के बारे में है।यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है। संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन एक सुनहरा पल लेकर आएगा। आपके व्यापार में इज़ाफा होगा, जिससे उत्साह बढ़ेगा। किसी मित्र से सहयोग मिलने से बेकरी का बिजनेस करने वालों की बिक्री में बढ़ोतरी होगी, जिससे अधिक लाभ मिलेगा। आज आप शुभ काम की शुरुआत करेंगे। छात्रों को अच्छे रिजल्ट के लिए अपनी मेहनत को जारी रखने की जरूरत है।

वृष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। सामाजिक कार्यों की अपेक्षा अपनी व्यक्तिगत कार्य पर अधिक ध्यान दें क्योंकि आज लिया गया निर्णय निकट भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होने वाला है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। अनुभवी व्यक्ति आज आपके बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढेगी। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगें। आज अपने व्यवहार को सहज बनाकर रखें।

कर्क राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप नये वाहन की खरीदारी करेंगे। किसी नयी जगह पर आज घूमने जाएंगे जिससे नये जीवन का एक नया पाठ सीखेंगे। किसी जरूरतमंद की आज आप मदद करेंगे, जिससे आपको आशीर्वाद मिलेगा। घरवालों के साथ पार्टी का विचार बनायेंगे, जिससे खुशी बढ़ेगी। किसी नए काम का नया अनुभव मिलेगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज छात्रों को अपने करियर से संबंधित खुशखबरी मिलने की संभावना है। आज रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। रिश्तों की गरिमा बनाकर रखने से परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

कन्या राशि : आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। आज उपहारों का आदान- प्रदान करना रिश्ते में मधुरता लाएगा। मानसिक सुकून और शांति की चाह में एकांत स्थल पर कुछ समय अवश्य बिताएं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। घर की सुख-सुविधाओं संबंधी जरूरतें पूरी करने में आपका विशेष प्रयास रहेगा। आज आप भविष्य को लेकर किसी अनुभवी से विचार विमर्श करेंगे। आज ऑफिस में ज्यादा कार्यभार रहेगा। आज सरकारी सेवारत लोगों को ऑफिस संबंधी किसी बदलाव की सूचना मिल सकती हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार की गति अच्छी बनी रहेगी। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज गुस्से की बजाय धैर्य से परिस्थितियों को सुलझाने का प्रयास करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी काम के प्रति लगन और निष्ठा बढ़ेगी जिससे आपको अपने काम में सफलता मिलेगी। आज पारिवारिक जीवन में सुख शांति बढ़ेगी और मन प्रसन्न रहेगा। रुकी हुई योजनाएं फिर से चालू हो जायेंगी।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप रुके कार्यों को आज पूरा करने में व्यस्त रहेंगे, आज किसी अनजान व्यक्ति से आपको मिलकर अच्छा लगेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। बेवजह की उलझन दूर होगी और पेट संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आपका दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा, आप किसी धार्मिक स्थान पर घूमने का मन बनायेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की संभावना होगी, दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लायेगा। आँखों की समस्या को आज किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाएंगे, जिससे आपको कुछ अच्छा फील होगा। पूरी मेहनत से काम को करेंगे जिससे उसका परिणाम आपके पक्ष में आएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीः एक राष्ट्र एक संविधान के महान सेनानी

//हेमन्त खण्डेलवाल//

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गईं थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की परमिट प्रणाली के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है।

2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, तीन तलाक विरोधी कानून, डॉ. मुखर्जी के सामाजिक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के विचारों का प्रतिफल हैं। ये योजनाएं देश के गरीब और पिछड़े तबकों को सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं, जैसा कि डॉ. मुखर्जी ने सदैव समर्थन किया।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भारत के महान राष्ट्रवादी नेता थे, जिनका जीवन देशभक्ति और समर्पण की मिसाल है। वे पद, प्रतिष्ठा या स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल देश की सेवा में लगे रहे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सिद्धांतों और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष है। आज जब भारत 2047 में स्वावलंबी और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उनकी शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। डॉ. मुखर्जी का आदर्श और बलिदान हमारे लिए एक अमर प्रेरणा हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को एकजुट, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है

//विनीत नारायण//

शेर बहुत हिंसक प्राणी है यह हम सब जानते हैं। पिछले हफ्ते हम केन्या के विश्व प्रसिद्ध मसाई मारा वन्य अभ्यारण्य में खुली जीप में घूमते रहे। सबसे रोमांचक क्षण वो थे जब हमारी जीप के तीन तरफ चार-पांच बब्बर शेर और शेरनी बैठे थे। उनसे हमारी दूरी मात्र 10 फीट थी। वो हमें निहार रहे थे और हम उन्हें। वो तो बेफिक्र होकर अपने जिस्म चाट रहे थे और हमारी रूह कांप रही थी कि कहीं हमला न कर दें। हालांकि फारेस्ट गार्ड ने आस्त किया कि ऐसा कुछ नहीं होगा।

हम न सिर्फ उन्हें आधे घंटे तक एकटक निहारते रहे, बल्कि जब वो उठ कर चल दिए तो हम भी धीमी गति से उनका पीछा करते हुए चलते रहे। उन्होंने फिर भी कोई उत्तेजना नहीं दिखाई। कमाल है कि जंगल का सबसे हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है, और अपने को सभ्य समाज मानने वाले हम कितने हिंसक हैं कि वाणी से, क्रिया से और विचारों से हमेशा अपने समाज और पर्यावरण के प्रति हिंसा करते रहते हैं।

चाहे हमारे ये क्रियाएं आत्मघाती ही क्यों न हों। केन्या के उस सुनसान जंगल में बैठे-बैठे सोशल मीडिया पर समाचार मिला कि डोनाल्ड ट्रंप भी अब इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदने का मन बना रहे हैं। उधर, यूक्रेन और रूस का युद्ध बरसों से लगातार तबाही मचा ही रहा है, और इधर अब यह नया मोर्चा तैयार हो रहा है। क्या ये विश्व युद्ध की ओर बढ़ते कदम नहीं हैं। वैसे तो मानव समाज जब से संगठित हुआ होगा तब से युद्ध उसके जीवन का अंग बने होंगे। इतिहास आज तक हुए लाखों युद्धों की गाथाओं से भरा पड़ा है।

फिर भी मेरे मन में ये दार्शनिक प्रश्न आ रहा है कि इन युद्धों की शुरुआत करने वाले इतने जंगली क्यों होते हैं। क्या उन्हें नहीं दिखता कि युद्ध की विभीषिका में कितने बच्चे अनाथ हो जाते हैं, महिलाएं विधवा हो जाती हैं, बने-बनाए घर-मकान, विशाल भवन आदि सब ध्वस्त हो जाते हैं, युद्ध के गोले-बारूद से पर्यावरण जहरीला हो जाता है, अर्थव्यवस्थाएं लड़खड़ा जाती हैं, विकास अवरुद्ध हो जाता है, और आम जनता तबाह हो जाती है। फिर हर युद्ध के बाद युद्ध विराम होता है, और शांति वार्ताएं होती हैं।

अगर हर युद्ध की परिणति शांति वार्ता ही होनी थी तो फिर ये सब विध्वंस क्यों किया गया। हुक्मरानों से यह सवाल पूछने वाला कोई नहीं होता। सवाल पूछना तो दूर प्रायः आम जनता तो अपनी तबाही के लिए जिम्मेदार नेता की ही मुरीद हो जाती है। युद्ध के उन्माद में उसे मसीहा मान लेती है। जैसा जर्मनी की जनता ने किया। जो हिटलर की आत्महत्या के आखिर क्षण तक यही मानती रही कि वो उन्हें हर बला से बचा लेगा। एक अहमक के फितूर ने जर्मनी को तबाह कर दिया।

प्रायः हर देश में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की कमी नहीं है, जो शस्त्र निर्माता लॉबी और भ्रष्ट, अहंकारी और आत्ममुग्ध, अति महत्त्वाकांक्षी अपने नेताओं के प्रोपोगैंडा के प्रभाव में आकर अपना अच्छा-बुरा देखने की क्षमता ही खो बैठती है। ट्रंप के समर्थक मतदाताओं का भी अमेरिका के चुनाव से पहले यही हाल था। मैं कभी सैन्य विज्ञान का विद्यार्थी नहीं रहा। इसलिए युद्धों के कारण की सैद्धांतिक व्याख्या करने का दुस्साहस नहीं करूंगा पर एक संवेदनशील आम नागरिक होने के नाते यह सोचने और पूछने का हक तो रखता ही हूं कि आखिर ये युद्ध किसके हित में होते हैं।

उस जनता के हित में तो बिल्कुल नहीं होते जिसके खून-पसीने की कमाई पर वसूले गए टैक्स के अरबों रु पये ऐसे युद्धों में फूंक दिए जाते हैं। सफेद हाथी की तरह बैठा सयुंक्त राष्ट्र (संघ) आज तक एक भी युद्ध नहीं रोक पाया। क्या कोई पुतिन, ट्रंप या तालिबानी नेता उसकी सुनने को तैयार है। फिर भी सयुंक्त राष्ट्र के नाम पर दुनिया में दशकों से नौटंकी चल रही है। आज इस लेख में समाधान प्रस्तुत करने वाला कोई विचार मेरे पास नहीं हैं।

पर एक फिक्र जरूर खाए जा रही है कि आज दुनिया एक अजीब दौर से गुजर रही है जहां अशांति तथा असुरक्षा और पर्यावरण का विनाश तेजी से बढ़ रहा है और मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही तेजी से घट रही है। डोनाल्ड ट्रंप को ही लें जिनके स्वागत में हमने पलक-पांवड़े बिछाए थे, वो अपने देश में घुसे अवैध भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में बांध कर वापस भेज रहे हैं जबकि दूसरे देशों के ऐसे लोगों को ससम्मान भेज जा रहा है। ट्रंप वहां रह रहे भारतीयों के वीजा खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। इससे डर कर कितने सफल युवा अमेरिका के अपने सपने को चूर-चूर होते देख घर लौट रहे हैं। दरअसल, ये हुक्मरान आम जनता को चैन से जीने नहीं देना चाहते। उसे हमेशा डरा-दबा कर रखना चाहते हैं।

इन सबसे तो जंगल का राजा शेर कहीं ज्यादा अमन पसंद है, जो अपना पेट भरने के बाद अकारण किसी पर हमला नहीं करता। हम तो उससे कहीं ज्यादा हिंसक हो चुके हैं। फिर भी ठहर कर सही और गलत पर सोचने का समय नहीं है आज हमारे पास। आज जब सूचना क्रांति ने पूरी दुनिया के लोगों को इस तरह जोड़ दिया है कि सैकंडों में सूचनाएं दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाती हैं, तब क्या युद्ध और पर्यावरण के विनाश को रोकने के लिए हर देश की जागरूक जनता सोशल मीडिया पर संगठित होकर ऐसे हुक्मरानों पर दबाव नहीं बना सकती जो इस विनाश के कारण बन रहे हैं। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में कई देशों में विरोध के स्वरों को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

पहले ऐसा केवल तानाशाह या सैन्य सरकारों में होता था पर अब कुछ देशों की लोकतांत्रिक सरकारें भी विरोध के स्वरों को दबाने में हिचकती नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम न केवल उस देश की जनता को भोगने पड़ते हैं, बल्कि वो हुक्मरान भी जमीनी सच्चाई से कट जाते हैं, और चाटुकारों से घिर कर आत्मघाती कदम उठा लेते हैं, जैसा श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर किया था। बाद में उन्हें चुनावों में जनता का कोप भाजन बनना पड़ा था। इसलिए हर लोकतांत्रिक सरकार को विरोध के स्वरों को मुक्त रूप से सामने आने देना चाहिए। इससे उसे अपनी हकीकत जानने का मौका मिलता है।

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केंद्र बनेगा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है। मध्य भारत की सबसे बड़ी और सबसे आधुनिक केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई भी दुर्ग जिले के जामगांव (एम) में स्थापना की गई है। यहां राज्य के वनों में उपलब्ध लघु वनोपजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जाएगा। इस इकाई में हर वर्ष लगभग 50 करोड़ रूपए के आयुर्वेदिक औषधीय उत्पादों का उत्पादन एवं प्रसंस्करण किया जाएगा। यह प्रसंस्करण केंद्र छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा निर्मित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उद्यमियों को गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के वनोत्पाद के प्रसंस्करण और वैल्यूएडिशन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। राज्य की नई उद्योग नीति में भी वनोपज प्रसंस्करण इकाईयों को थ्रस्ट सेक्टर में शामिल किया गया है तथा इसके लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

जामगांव में स्थापित की गई अत्याधुनिक केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई से फारेस्ट टू फार्मेसी मॉडल की शुरुआत हुई है। इस इकाई का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल में ही लोकार्पण किया है। यह प्रसंस्करण इकाई लगभग 27.87 एकड़ में फैला हुआ है। यहां फार्मास्युटिकल ग्रेड उपकरणों द्वारा आधुनिक ढंग से आयुर्वेदिक एवं हर्बल औषधियों का उत्पादन होगा। इस इकाई में आयुर्वेदिक औषधियों के चूर्ण, सिरप, तेल, अवलेह एवं टैबलेट के रूप में उत्पादन, प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग किया जायेगा। इस इकाई में मशीन स्थापना, संचालन तथा विपणन पीपीपी मोड पर किया जाएगा। आयुर्वेदिक औषधि इकाई में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से क्वॉरेंटाइन बिल्डिंग, प्री-प्रॉसेसिंग बिल्डिंग, मटेरियल स्टोरेज बिल्डिंग, मेन प्लांट बिल्डिंग आदि बनाए गए हैं।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट 6.04 एकड़ में बनाई गई है, इसकी लागत 23.24 करोड़ रुपए है। इसमें आधुनिक मशीनरी के माध्यम से विभिन्न औषधीयों, वनस्पतियों से अर्क निकाले जाएंगे। इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, शतावरी आदि महत्वपूर्ण औषधीय, वनस्पतियों से अर्क निकालकर उन्हें आयुर्वेदिक औषधियों तथा अन्य वेलनेस उत्पादों के प्रसंस्करण व निर्माण में उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव में 2000 से अधिक स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आदिवासी एवं वनवासी समुदायों के साथ ही महिलाओं को लघु वनोपजों के संग्रहण, प्राथमिक प्रसंस्करण कार्य में रोजगार और आय में वृद्धि के अवसर मिलेगा।

तस्वीरों की दुनिया

मानसून के मौसम में, सांगुम गोवा में पणजी से लगभग 50 किमीदूर स्थित सलौलिम बांध का एक मनोरम दृश्य।

नई दिल्ली के करोल बाग में विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग लगने की घटना के बाद मौके पर मौजूद अग्निशमन कर्मी।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुजरात के भयावदर में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रधानमंत्री, कमला प्रसाद-बिसेसर, पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिदाद और टोबैगो में भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर के साक्षी बने।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के पोर्ट ऑफ स्पेन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद (प्रतिष्ठित रेड हाउस) के परिसर में पहुंचे।

सेना के जवानों ने मंडी जिले के बगस्याड़ और थुनाग के बीच बंद सड़क पार करने में लोगों की मदद की।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले जत्थे का चंपावत जिले के टनकपुर में स्वागत किया गया।

ठाकरे ब्रदर्स का मिलन... राजनीतिक गठबंधन की गारंटी नहीं है उद्धव और राज का एक मंच पर होना

मुंबई, 06 जुलाई [एजेंसी]।

वरली के नेशनल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स डोम में बनाए गए भव्य मंच पर 20 साल बाद हुई दो चचेरे भाइयों उद्धव और राज ठाकरे की गलबहियां इस बात की गारंटी कतई नहीं हैं कि आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में शिवसेना उद्धव गुट और मनसे का राजनीतिक गठबंधन भी हो ही जाएगा।करीब दो माह पहले राज ठाकरे ने फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर को साक्षात्कार देते हुए कहा था कि महाराष्ट्र के हित के सामने हमारे छोटे-मोटे झगड़े कुछ भी नहीं हैं। विधानसभा चुनाव में हुई दुर्गति से पीड़ित उद्धव ठाकरे को राज के इस बयान में अवसर नजर आया और उनकी पूरी पार्टी ने इसे लपक लिया। तभी से उनकी तरफ से राज के साथ संवाद साधने की कोशिश लगातार की जा रही है। इसी बीच महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक कक्षाओं में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाए जाने का आदेश जारी किए जाने के बाद जब राज ठाकरे ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी, तो उद्धव को भी उनके सुर में सुर मिलाना अच्छा लगना ही था। सरकार के इस निर्णय के विरोध में मुंबई की गिरगांव चौपाटी से आजाद मैदान तक विरोध मार्च निकालने का

फैसला भी पहले राज ठाकरे का ही था। बाद में उद्धव के सिपहसालार संजय राउत ने राज ठाकरे से बात करके यह मोर्चा पांच जुलाई को एक साथ निकालने के लिए उन्हें राजी किया। फिर राज्य सरकार द्वारा हिंदी के लिए जारी आदेश वापस लिए जाने के बाद पांच जुलाई को ही जब विजय उत्सव मनाने का फैसला किया गया, तो भी राज ठाकरे ने साफ कह दिया था कि यह विजय उत्सव सिर्फ मराठी और महाराष्ट्र की अस्मिता तक ही सीमित रहेगा। इसमें किसी राजनीतिक दल का झंडा या निशान दिखाई नहीं देगा। शनिवार को अपने भाषण में भी राज ठाकरे अपनी बात पर कायम रहे और उन्होंने किसी राजनीतिक गठबंधन के कोई संकेत नहीं दिए। लेकिन उनके बाद बोलने खड़े हुए उद्धव ठाकरे ने पूरी रैली को राजनीतिक रंग देते हुए साफ कह दिया कि साथ आए हैं तो साथ ही रहेंगे और मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में सत्ता हथियाएंगे। उद्धव की इस घोषणा के बाद राज ठाकरे के पास प्रतिक्रिया देने का अवसर नहीं था।

लेकिन उद्धव के भाषण के बाद दोनों परिवारों के नौनिहालों राज के पुत्र अमित ठाकरे एवं उद्धव के पुत्र आदित्य ठाकरे की भी गलबहियां करवाकर पारिवारिक मनोमिलन का संकेत दिया गया। हालांकि, ये सारे संकेत इस बात की गारंटी कतई नहीं देते कि आने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव या अन्य स्थानीय निकाय चुनावों में दोनों भाइयों में पार्टियों में गठबंधन हो ही जाएगा। इसके पीछे दोनों के अड़ियल रुख के अलावा महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी में नए सदस्य दल को लेकर अरुचि का भाव बड़ा कारण बन सकता है। कांग्रेस इस गठबंधन का बड़ा घटक है। कांग्रेस के किसी भी बड़े नेता का आज की रैली में नजर न आना इस बात का द्योतक है कि एक राष्ट्रीय दल कांग्रेस सिर्फ मराठी भाषा और मराठी अस्मिता के चक्कर में पड़कर अपना मुंबई-ठाणे का गैर मराठी भाषी वोट बैंक गंवाना नहीं चाहती।इसके अलावा मुंबई, ठाणे, नासिक और पुणे के जिन-जिन मराठी बहुल क्षेत्रों पर उद्धव दावा करते हैं, वहीं राज ठाकरे का भी मजबूत जनाधार है। इसलिए दोनों के दलों में सीटों का बंटवारा करना भी आसान नहीं होगा।

दुनिया भर में घट रही है प्रजनन दर, रूस ही नहीं ये देश भी बच्चे पैदा करने के लिए दे रहे हैं प्रोत्साहन

नईदिल्ली, 06 जुलाई [एजेंसी]।

रूस के कुछ हिस्सों में गर्भवती होने वाली स्कूल की लड़कियों को एक लाख रूबल (करीब 1,08,500 रुपये से) अधिक का भुगतान किया जा रहा है, ताकि वे बच्चों को जन्म दें और उनका पालन-पोषण करें। इसे प्रोनैटलिज्म कहा जाता है। यह प्रोत्साहन रूस की नई जनसांख्यिकीय रणनीति का हिस्सा है। यह नीति मार्च 2025 में वयस्क महिलाओं के लिए लागू की गई थी और इसका उद्देश्य देश की जन्म दर में हो रहे नाटकीय गिरावट पर अंकुश लगाना है। 2023 में रूस में प्रति महिला जन्म की संख्या 1.41 थी, जो जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए जरूरी 2.05 के स्तर से काफी कम है। किशोर लड़कियों को बच्चों को जन्म देने के लिए पैसे देना रूस में विवादास्पद है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, 43 प्रतिशत रूसी नागरिकों ने इस नीति का समर्थन किया है, जबकि 40 प्रतिशत इसके खिलाफ हैं। यह इस बात का संकेत है कि रूस बच्चों की संख्या बढ़ाने को कितनी प्राथमिकता देता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन एक बड़ी जनसंख्या को एक समृद्ध महान शक्ति के संकेतों में से एक मानते हैं। हालांकि, यूक्रेन पर हमले और उसके क्षेत्र पर कब्जा करने के प्रयासों ने रूस की जनसंख्या को घटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों की संख्या 2,50,000 तक पहुंच गई है। हालांकि युद्ध की वजह से बड़ी संख्या में शिक्षित रूसी

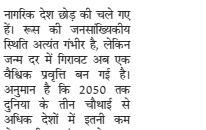

नागरिक देश छोड़ की चले गए हैं। रूस की जनसांख्यिकीय स्थिति अत्यंत गंभीर है, लेकिन जन्म दर में गिरावट अब एक वैश्विक प्रवृत्ति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया के तीन चौथाई से अधिक देशों में इतनी कम प्रजनन दर होगी कि वे अपनी जनसंख्या को बनाए नहीं रख पाएंगे। पुतिन अकेले नहीं हैं। विश्व के अन्य नेता भी महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियां लागू कर रहे हैं। हंगरी में विक्टर ओर्बन की सरकार तीन या अधिक बच्चों वाले परिवारों को कर में छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दे रही है। पोलैंड में दो या अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रति बच्चे 500 जलाटी (101) का मासिक भुगतान किया जाता है।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए 5,000 डलर भुगतान करने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उनका यह प्रस्ताव मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को बढ़ावा देने से जुड़ा है। एलन मस्क और दूसरे लोगों ने भी इसका समर्थन किया है। इस प्रयास का मकसद महिलाओं को बड़े परिवार के लिए प्रेरित करना है। विश्व में प्रोनैटलिज्म की नीतियों का प्रभाव मिश्रित रहा है। कोई भी देश जन्म दर में गिरावट को उलटने का आसान तरीका नहीं खोज पाया है। स्पेन जैसे कुछ देश जनसंख्या में गिरावट की समस्या से निपटने के लिए प्रवासियों के लिए नागरिकता की प्रक्रिया को आसान बना रहे हैं।

तूफान और बाढ़ की वजह से 43 लोगों की मौत, कैंपिंग कर रहीं 23 बच्चियां लापता

वाशिंगटन, 06 जुलाई [एजेंसी]।

अमेरिका के टेक्सास में शुक्रवार सुबह एक शक्तिशाली तूफान की वजह से आए फ्लैश फ्लड के कारण ग्वाडालुप नदी लगभग 45 मिनट में 26 फीट तक उफना गई। अचानक बाढ़ आ जाने की वजह से नौ बच्चे सहित 43 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 27 लोग लापता हैं इनमें समर कैंप की 23 बच्चियां भी शामिल हैं। 750 बच्चों का दल नदी किनारे कैंपिंग कर रहा था। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मध्य केर काउंटी में रात भर में 10 इंच (25 सेंटीमीटर) बारिश हुई। बचाव दल लापता बच्चियों की खोज कर रहे हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। कुछ लोगों को पेड़ों से बचाया गया। नौकाओं और हेलीकाप्टर से बचाव कार्य जारी है। टेक्सास के केर काउंटी में भीषण बाढ़ के बाद 800 से अधिक लोगों को बचाया गया है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबाट ने कहा कि अभियान रात भर जारी रहा और यह दूसरे दिन भी चलेगा। एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य टेक्सास में आई बाढ़ को भयानक बताया और संघीय सहायता का वादा किया। अमेरिका के नेशनल वेदर सर्विस ने दक्षिण-मध्य टेक्सास हिल कांट्री के केर काउंटी के कुछ हिस्सों के लिए अचानक फ्लैश फ्लड इमरजेंसी घोषित की थी। यह सैन एंटोनियो से लगभग 105 किमी उत्तर-पश्चिम में है। वहां तूफान के कारण हुई बारिश की वजह से काफी पानी भर गया।

गोशालाओं में 30 करोड़ का चारा खा गए गोवंश, मगर गोबर का कोई हिसाब नहीं!

रायबरेली। सरकार लाख जतन कर कि योजनाएं पूरी पारदर्शिता से लागू हों, मगर कुछ भ्रष्ट अधिकारी सरकार की मंशा पर पानी फेरने से बाज नहीं आ रहे हैं। एक ऐसा ही मामला गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों के गोबर से जुड़ा सामने आया है।विभाग द्वारा आठ माह में तीस करोड़ का चारा दाना पशुओं को खिलाने का दावा किया गया, जबकि गोबर से होने वाली आय का कहीं कोई हिसाब नहीं। गोशालाओं के संरक्षक, प्रधान, ग्राम सचिव से लेकर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी तक को गोबर के विषय में जानकारी नहीं। आखिर गोबर से होने वाली आय कौन खा गया है या कौन खा रहा है, यह बड़ा सवाल है। शासन स्तर पर इस प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जाए तो इसका लाभ डकारने वाले बेनकाब होंगे व बड़े स्तर का भंडाफोड़ होगा। जनपद की 89 गोशालाओं में लगभग 25 हजार गोवंश संरक्षित हैं। शासन हर गोवंश के चारा पानी के लिए प्रतिदिन 50 रुपये देता है। इस तरह जिले में गोशाला के लिए हर माह लगभग तीन करोड़ 75 लाख रुपये दिए जा रहे हैं।बीते आठ माह की बात करें तो तीस करोड़ का चारा दाना पशुओं को खिलाया जा चुका है। गंभीर बात है कि इतनी धनराशि का चारा खाने के बाद गोशालाओं से गोबर कहां गया, इसका कोई हिसाब नहीं। ग्रामीणों की मानें तो गुप्तचुप तरीके से अधिकारियों की मिलीभगत से संचालक गोशाला से निकलने वाला गोबर बेंच लेते हैं।जिले के आलाधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, एसडीएम, बीडीओ सहित सचिव के कंधे पर गोशाला की निगरानी की सीधे जिम्मेदारी है, इसके बावजूद इन लोगों ने गोबर की खाद बनाकर बेचने की योजना पर कोई मंथन नहीं किया। इससे गोशाला की आमदनी होने के साथ ही आजीविका मिशन के तहत रोजगार के भी अवसर बढ़ते।बाजार में पेंट व अन्य वस्तुएं बनाने वाली कंपनी प्रति किलो गोबर का दाम दो से पांच रुपये देती हैं। वहीं गांवों में एक ट्राली गोबर की कीमत 1000 से 12 सौ रुपये है। उदाहरण लेकर बात करें तो पशु चिकित्सकों के अनुसार एक गोवंश प्रतिदिन औसतन 3 किलो गोबर करते हैं। ऐसे में यदि किसी गोशाला में 400 गोवंश हैं तो रोजाना 1200 किलो गोबर निकलना चाहिए। एक ट्राली में सूखा गोबर लगभग 10 से 12 व गीला गोबर 14 से 15 क्विंटल आता है। कंपनी के हिसाब से प्रति ट्राली की कीमत दो रुपये के दाम से तीन हजार रुपये है। उस हिसाब से 89 गोशालाओं के प्रतिदिन निकलने वाले गोबर की कीमत दो लाख 67 हजार रुपये है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कुलदीप कुमार द्विवेदी का कहना है कि गोबर को बेचकर ग्राम सभा के खाते में पैसा जमा करना होता है। इसके अतिरिक्त अगर कोई व्यक्ति भूसा या पराली गोशाला में दान करता है तो उसके मांगने पर गोबर दिया जा सकता है।डीएम, सीडीओ व अन्य उच्चाधिकारियों द्वारा गोबर को लेकर नियम बनाए जाते हैं तो उसका पालन किया जाएगा। विभाग के पास गोबर का कोई हिसाब नहीं है। अगर कोई व्यक्ति गोशाला को भूसा दान करता है तो उसके कहने पर उसे गोबर दे दिया जाता है।

दिल्ली एनसीआर से जयपुर अब सिर्फ ढाई घंटे में, बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेसवे का हुआ उद्घाटन, यात्रा में आएगी तेजी

जयपुर, 06 जुलाई [एजेंसी]।

राजस्थान में बांदीकुई से जयपुर तक बने 67 किलोमीटर लंबे एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे का शनिवार को स्थायी रूप से उद्घाटन किया गया। इस एक्सप्रेसवे के चालू होने से साइकर सिटी से पिंक सिटी यानी जयपुर पहुंचने में अब केवल ढाई घंटे लगेंगे, जबकि पहले यह समय साढ़े तीन से चार घंटे था। इसके साथ ही साइकर सिटी से जयपुर जाने के लिए दो बेहतर मार्ग हो गए हैं। लोग दिल्ली-जयपुर हाइवे के साथ ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से भी जयपुर जा सकते हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जयपुर शहर की कनेक्टिविटी बेहतर हो इसके लिए 67 किलोमीटर लंबा बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण किया गया है। यह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे एवं द्वारका एक्सप्रेसवे की तरह ही एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे है। एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे का एंट्री व एग्जिट केवल रास्ते में पड़ने वाले मुख्य सड़कों को जोड़ने के लिए किया जाता है। बांदीकुई से जयपुर की यात्रा अब 30 मिनट में पूरी होगी, जिससे एक घंटे की बचत होगी। एनएचएआई (सोहना) के परियोजना निदेशक पीके कौशिक ने बताया कि बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेसवे चालू होने से गुरुग्राम की तरफ से जयपुर जाने वाले वाहनों की संख्या दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बढ़ेगी।केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर जयपुर तक बांदीकुई स्पर के पूरा होने की घोषणा की। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की गई एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि हमने 2,016 करोड़ रुपये की पूंजीगत लागत से निर्मित 66.916 किलोमीटर लंबे, 4-लेन ग्रीनफील्ड बांदीकुई स्पर को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।आगे लिखा कि यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे और जयपुर के बीच सीधी, पहुंच-नियंत्रित कनेक्टिविटी प्रदान करती है, जो सीधे मार्ग की कमी को दूर करती है जो पहले यात्रियों को लंबी, ईंधन-गहन यात्रा करने के लिए मजबूर करती थी।गडकरी ने कहा कि नई सड़क से दिल्ली और जयपुर के बीच यात्रा का समय 3 घंटे 45 मिनट से घटकर मात्र 3 घंटे रह जाने की उम्मीद है, जिससे आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा एनएच-48 और एनएच-21 पर भीड़भाड़ कम होगी।रिपोर्ट के अनुसार, पर्यावरण पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए मौजूदा आवासीय पड़ोस से बचने के लिए मार्ग को सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है।

मुंबई में निवेशक केडिया के कार्यालय में तोड़फोड़, मनसे के पांच समर्थक गिरफ्तार

मुंबई, 06 जुलाई [एजेंसी]।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के पांच समर्थकों को निवेशक सुशील केडिया के वर्ली स्थित कार्यालय पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह हमला केडिया द्वारा इंटरनेट मीडिया पर मराठी न सीखने संबंधी पोस्ट के बाद किया गया।उन्होंने राज ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा था कि वह मराठी नहीं सीखेंगे। मनसे समर्थकों ने ठाकरे और मराठी के समर्थन में नारे लगाते हुए शनिवार सुबह केडिया के कार्यालय के कांच के दरवाजे पर नारियल फेंके।घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों को मनसे समर्थकों को रोकते हुए देखा जा सकता है। वहीं कार्यालय के कर्मचारी फेंके जाने वाले नारियल से बचने के लिए शटर गिराने का प्रयास कर रहे थे।वर्ली पुलिस थाने के एक अधिकारी के अनुसार, इस हमले के बावत पांच मनसे समर्थकों को हिरासत में लिया गया है। इस मामले की जांच जारी है।केडिया ने एक्स पर लिखा था कि मुंबई में 30 साल रहने के बाद भी मुझे मराठी अच्छी तरह से नहीं आती। आपके घोर दुर्व्यवहार के कारण मैंने यह संकल्प लिया है कि जब तक आप जैसे लोग मराठी मानुष की देखभाल करने का दिखावा करते रहेंगे मैं मराठी नहीं सीखूंगा। इसके बाद पुलिस ने सेंचुरी बाजार स्थित केडिया के कार्यालय को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की थी।केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने केडिया के वर्ली स्थित कार्यालय पर हमला करने की घटना को लेकर मनसे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मनसे मराठी का समर्थन करती है, लेकिन संविधान विरोधी तरीकों का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि मनसे का रुख यह है कि यदि आप मराठी नहीं बोलेंगे तो आपको थप्पड़ मारा जाएगा। यह असंवैधानिक है। मराठी के नाम पर धमकाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि मराठी के मुद्दे पर हम मनसे के साथ हैं, लेकिन हिंदी के मुद्दे पर भाजपा के साथ हैं।

बढ़ती उम्र को नहीं रोक सकती दवाएं, एंटी-एजिंग दवाओं पर प्रतिबंध लगाने मांग

नई दिल्ली। अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की असामयिक मृत्यु के बाद कास्मेटिक प्रक्रियाओं के प्रभावों को लेकर विशेषज्ञों ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उनके अनुसार, एंटी-एजिंग दवाएं गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न कर सकती हैं और इन पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।बताया गया है कि शेफाली ने लगभग आठ वर्षों तक त्वचा को गोरा करने वाले और एंटी एजिंग उपचार, विशेष रूप से ग्लूटाथियोन और विटामिन सी का उपयोग किया, लेकिन यह सब सक्रिय चिकित्सा पर्यवेक्षण के बिना हुआ।केरल राज्य आइएमए के अनुसंधान प्रकोष्ठ के संयोजक राजीव जयदेवन ने कहा कि एंटी-एजिंग कोई वैज्ञानिक शब्द नहीं है। ऐसे उत्पाद प्राकृतिक उम्र बढ़ने को उलट या रोक नहीं सकते। हालांकि, कुछ दवाओं से त्वचा को गोरा करना संभव है, लेकिन यह एंटी-एजिंग जैसा नहीं है।पूर्व एम्स निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने बताया कि एंटी-एजिंग दवाएं तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कई उत्पाद बिना किसी उचित वैज्ञानिक अध्ययन के प्रभावी होने का दावा करते हैं, और इनमें से कुछ के हानिकारक साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं, खासकर यदि इन्हें लंबे समय तक लिया जाए।विशेषज्ञों ने आस्ट्रेलिया और फिलीपींस से प्राप्त रिपोर्टों का भी उल्लेख किया, जिनमें ऐसे उत्पादों के गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया है। गुलेरिया ने कहा कि ऐसी दवाओं को विनियमित करने की आवश्यकता है।

भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आवाजाही के लिए गोल चक्कर होगा बंद, खजूरी चौक जाम मुक्त करने की तैयारी

पूर्वी दिल्ली। खजूरी चौक जाम मुक्त करने को भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आवाजाही के लिए गोल चक्कर बंद किया जाएगा। इससे शास्त्री पार्क से लोनी और वहां से शास्त्री पार्क की ओर वाहन बिना रुके आ-जा सकेंगे। वहीं लोनी की ओर से आने वाले वाहनों को सिग्नेचर ब्रिज जाने के लिए यू-टर्न का विकल्प दिया जाएगा। ऐसी ही शास्त्री पार्क की ओर से आने वाले यू-टर्न लेकर खजूरी खास और वजीराबाद रोड के दोनों तरफ बसी कॉलोनियों में जा सकेंगे।भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आने-जाने के लिए लोगों को फ्लाईओवर का इस्तेमाल करना होगा। दिल्ली सचिवालय में खजूरी चौक को जाम मुक्त बनाने के संबंध में दिल्ली के विकास मंत्री एवं कावलनगर विधायक कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर सहमति बनी है। कुछ दिन अस्थायी रूप से गोलचक्कर पर यह प्रयोग किया जाएगा, परिणाम उचित मिले तो इसे स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। खजूरी चौक उत्तर-पूर्वी जिले का प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है। वजीराबाद, सिग्नेचर ब्रिज, भजनपुरा, शास्त्री पार्क, करावल नगर समेत कई इलाकों के आने-जाने के लिए खजूरी चौक से रोज बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। अभी गोल चक्कर खुला होने के कारण हर तरफ से वाहन गुजरते हैं, इनके बीच विपरीत दिशा में आ रहे वाहन घुस जाते हैं तो जाम लग जाता है। इससे लोगों को परेशानी होती है। उनका समय बर्बाद होता है।इसी समस्या का समाधान करने के लिए विकास मंत्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में एनएचएआई, दिल्ली यातायात पुलिस, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

घोंडा विधायक अजय महावर भी बैठक में रहे। इसमें खजूरी चौक को जाम मुक्त बनाने के व्यावहारिक समाधानों पर चर्चा हुई। इसलिए उन्होंने प्रजेंटेशन के जरिये समाधान के चार विकल्प दिखाए। उसमें ट्रैफिक सिग्नल लगाकर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने पर उनका जोर रहा। लेकिन उस पर यातायात पुलिस सहमत नहीं हुई। लेकिन भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आने-जाने के लिए गोल चक्कर बंद करने पर सभी ने सहमति जताई।

मुंबई हवाई अड्डे पर यात्री का लगेज देख हैरान सीमा शुल्क अधिकारी, 45 जानवर किए गए बरामद

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर

सीमा शुल्क अधिकारियों को बड़ी सफलता मिली है। उसने शनिवार को एक यात्री से रैकून, काली लोमड़ी और इगुआना समेत 45 जंगली जानवरों को बरामद किया है।एक अधिकारी ने बताया कि इस यात्री को तड़के थाई एयरवेज की उड़ान से यहां पहुंचने पर पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि बैग की तलाशी लेने पर सीमा शुल्क विभाग की टीम को 45 जानवर मिले। इनमें रैकून, हाइरैक्स (जो खरगोश जैसे दिखते हैं), काली लोमड़ी और इगुआना आदि शामिल हैं।अधिकारियों के अनुसार, जिस तरह से इन जानवरों को तस्करी के जरिये लाया जा रहा था, इससे दम घुटने से उनमें से कई जानवर मर चुके थे। रेसक्रिक एसोसिएशन फार वाइल्डलाइफ वेलफेयर के विशेषज्ञों ने जानवरों की देखभाल और उन्हें स्थिर करने में मदद की। इन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रविधानों के अनुसार उनके मूल देश वापस भेज दिया जाएगा।

बेंगलुरु में 7.5 करोड़ की Ferrari SF 90 Stradale जब्त, रोड टैक्स चोरी पर मालिक ने भरे 1.42 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, 06 जुलाई [एजेंसी]।

बेंगलुरु की सड़कों पर दौड़ती एक लाल रंग की Ferrari SF90 Stradale ने हाल ही में खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन इस बार वजह इसकी रफ्तार या लक्जरी नहीं, बल्कि रोड टैक्स चोरी है। कर्नाटक के परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई में इस सुपरकार को जब्त कर लिया गया, जिससे लग्जरी कार मालिकों में हड़कंप मच गया है। आइए इसके पीछे की पूरी कहानी विस्तार में जानते हैं। यह Ferrari SF90 Stradaleकरीब 7.5 करोड़ रुपये की कीमत वाली सुपरकार है। इस कार का रजिस्ट्रेशन महाराष्ट्र में किया गया था, क्योंकि वहां लक्जरी गाड़ियों पर टैक्स कर्नाटक की तुलना में कम है, लेकिन यह कार अक्सर बेंगलुरु की सड़कों पर देखी जा रही थी। कर्नाटक में नियम यह कहता है कि अगर कोई गाड़ी एक साल से ज्यादा समय तक राज्य में चलाई जाती है, तो उसे वहीं पर रजिस्टर कराना और रोड टैक्स देना अनिवार्य होता है, लेकिन Ferrari के मालिक ने न तो इसे कर्नाटक में रजिस्टर कराया और न ही रोड टैक्स भरा। सूचना मिलने पर बेंगलुरु साउथ ऋद्धह ने तुरंत एक्शन लिया। अधिकारियों ने कार के कागजात चेक किए और पाया कि कर्नाटक में रोड टैक्स का भुगतान नहीं किया गया था। इसके बाद Ferrari SF90

Stradale को जब्त कर लिया गया। मालिक को नोटिस भेजा गया कि अगर गुरुवार शाम तक टैक्स और जुर्माना नहीं चुकाया गया, तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दबाव में आकर Ferrari के मालिक ने तुरंत 1.42 करोड़ रुपये का टैक्स और जुर्माना भर दिया। कर्नाटक परिवहन विभाग के लिए यह सबसे बड़ी टैक्स रिकवरी में से एक मानी जा रही है। दरअसल, कर्नाटक में पिछले कुछ समय से लग्जरी कारों की टैक्स चोरी पर सख्त नजर रखी जा रही है। फरवरी में भी विभाग ने Ferrari, Porsche, BMW और Range Rover जैसी करीब 30 लग्जरी कारें जब्त की थीं।

एक साल से ज्यादा किसी दूसरे राज्य की गाड़ी चलाने पर उसे वहां रजिस्टर करना और रोड टैक्स देना जरूरी है। रोड टैक्स से मिलने वाली रकम राज्य की सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर के रख-रखाव में लगाई जाती है। सरकार चाहती है कि सभी वाहन मालिक नियमों का पालन करें, ताकि टैक्स कलेक्शन में पारदर्शिता और समानता बनी रहे। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई एक सख्त संदेश है कि कोई भी नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह करोड़ों की सुपरकार ही क्यों न हो।

पीएम मोदी पहुंचे ब्राजील, BRICS शिखर सम्मेलन में करेंगे शिरकत

रियो डी जेनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंच चुके हैं यहां वह ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेंगे। रियो डी जेनेरियो के गैलेओ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर ब्राजील की यात्रा पर हैं।प्रधानमंत्री रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, उसके बाद राजकीय यात्रा पर जाएंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील की चौथी यात्रा है। प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। ब्राजील की राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित आपसी हितों के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

फूलों से बनाए जा सकते हैं प्राकृतिक वाटर कलर, पेंटिंग में आएंगे काम

बच्चों के लिए आर्ट और क्राफ्ट में वाटर कलर का इस्तेमाल करना एक मजेदार अनुभव होता है। हालांकि, बाजार में मिलने वाले वाटर कलर में कई बार ऐसे रसायन डाले जाते हैं, जो बच्चों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आप उनके लिए अलग-अलग फूलों से प्राकृतिक वाटर कलर तैयार कर सकते हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित होते हैं। आइए 5 ऐसे फूलों के बारे में जानते हैं, जिनसे आप घर पर ही वाटर कलर बना सकते हैं।

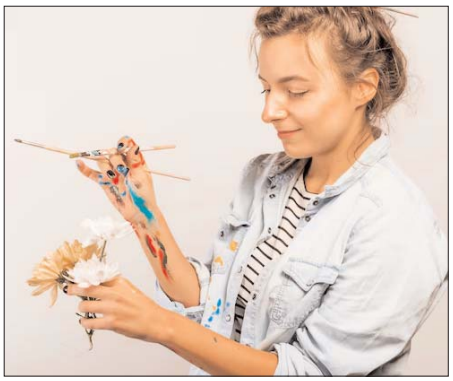

गुलाब के फूलों से बनाएं गुलाबी वाटर कलर

गुलाब के फूलों से आप गुलाबी या लाल रंग के वाटर कलर बना सकते हैं। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों को पीस लें और फिर एक कपड़े से छानकर उसका रस निचोड़ लें। इस रस को धूप में थोड़ी देर के लिए सुखाएं और फिर इसमें थोड़ा-सा अरारोट पाउडर मिला दें। इस मिश्रण को ठंडा करके कांच की बोतल में भरकर रखें। इस तरह से आपका जीवंत गुलाबी रंग का वाटर कलर तैयार हो जाएगा।

केसर के फूलों से बनाएं बैंगनी वाटर कलर

केसर भले ही नारंगी रंग का होता हो, लेकिन उसका पुष्प बैंगनी रंग का होता है। आप इसकी मदद से बैंगनी वाटर कलर बना सकते हैं। इसके लिए केसर के फूलों की पंखुड़ियों को पीसकर उनका रस निकालें। इस रस को धूप में सुखाकर उसमें अरारोट पाउडर मिला दें। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके कांच की बोतल में भरकर रखें। जब भी पेंटिंग करनी हो तो ब्रश को गीला करें और बैंगनी वाटर कलर में डुबाएं।

गेंदा फूल से बनाएं पीला वाटर कलर

पूजा-पाठ में गेंदे के फूलों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनसे आप पीले रंग का वाटर कलर बना सकते हैं। इसके लिए गेंदे के फूलों को पीसकर उनका रस निकाल लें। अब इसे कुछ घंटे तक धूप में सूख जाने दें। इस रस में अरारोट पाउडर मिलाकर इसे ठंडा करें और कांच की बोतल में भरकर रखें। अगर आप नारंगी रंग वाले गेंदे के फूल इस्तेमाल करते हैं तो पीले की जगह नारंगी वाटर कलर बन सकता है।

गुड़हल के फूलों से बनाएं लाल वाटर कलर

लाल रंग का वाटर कलर तैयार करने के लिए आप गुड़हल के फूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए गुड़हल के फूलों की पंखुड़ियों को पीसकर उनका रस निकालें और धूप में सुखाएं। इसके बाद इसमें अरारोट पाउडर मिलाकर ठंडा करें और कांच की बोतल में भरें। गुड़हल के फूल कई अलग-अलग रंगों में भी उपलब्ध रहते हैं, जो विभिन्न रंगों वाले पेंट कलर बनाने के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं।

अपराजिता के फूलों से बनाएं नीला वाटर कलर

अपराजिता के फूल जीवंत नीले रंग के होते हैं, जिनसे लोग नीली चाय बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इस फूल का इस्तेमाल करके आप नीले या बैंगनी रंग के वाटर कलर भी बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपराजिता के फूलों को पीसकर उनका रस निकाल लें। अब इसे कुछ घंटों तक धूप में सुखाएं और इसमें अरारोट भी मिला दें। अब इसे ठंडा होने दें और कांच की बोतल में रखकर स्टोर करें।

निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के साथ अपनी यात्रा को अवास्तविक बताया

पेशेवर पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर को करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल किया गया है। निकिता ने शो में अपने अनुभव को अवास्तविक बताया।

शो के लिए अपनी रणनीति शेयर करते हुए निकिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसा मंच दिया जाएगा। शोबिज की दुनिया में, जहां हर कोई ड्रामा लेकर आता है, मैंने यह दिखाने के लिए रणनीति का इस्तेमाल किया कि मैं एक अलग तरह की प्रतियोगी हूं। यह एक अवास्तविक यात्रा रही है, और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कार्ड या प्रतियोगियों में से किसमें अधिक मजा आया, तो निकिता ने प्रतियोगियों को चुनते हुए कहा, कार्ड में, यह सरल है - आप धोखा देते हैं, और आप या तो जीतते हैं या हारते हैं। लेकिन यहां धोखा चिप्स से नहीं, बल्कि शब्दों से होता है। आपको लोगों की आंखों में देखना होता है, धोखा देना होता है, और फिर अगली सुबह उनके साथ नाश्ता करना होता है। इससे यह और भी ज्यादा गहरा हो जाता है।

कृति खरबंदा का पिंक कटआउट ड्रेस में दिखा स्टनिंग अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा अपने फैशन सेंस और ग्रेसफुल स्टाइल के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह पिंक कटआउट ड्रेस में नज़र आ रही हैं. इस लुक में वह बेहद स्टनिंग लग रही हैं और फैंस के साथ-साथ उनके पति पुलकित सम्राट भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. कृति ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा ङ्क गुलाबी रंग में सुंदर महसूस कर रहा हूँ ? गुलाबी मेरा रंग है, नहीं? उनकी इस पिंक ड्रेस को घुमना ब्रांड से लिया गया है, जिसे नाइका फैशन के ज़रिए स्टाइल किया गया है. उनका मेकअप निशि सिंह और हेयरस्टाइल किम्बर्ली चू द्वारा किया गया है. इन फोटोज में कृति का कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है. खुले बाल, मिनिमल मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ उनका ये लुक बिल्कुल परफेक्ट लग रहा है. पोस्ट पर पुलकित सम्राट ने कमेंट करते हुए लिखा ङ्क स्लाइड 3: ट्रॉफी ??, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. कृति इन दिनों नेटफ्लिक्स सीरीज़ राणा नायडू सीजन 2 में 'आलिया ओबेरॉय' के किरदार को लेकर चर्चा में हैं. इन फोटोज़ के साथ उन्होंने रानानायडू2, अलायाओबेरोई, और 13 जून जैसे हैशटैग्स का इस्तेमाल किया है जिससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि वह शो के प्रमोशन के लिए यह लुक लेकर आई थीं. कृति खरबंदा का यह अंदाज़ एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं.

अपने घर पर भी खिला सकते हैं सुंदर कमल के फूल, जानिए इसका आसान तरीका

कमल के फूल का भारतीय संस्कृति में खास महत्व है। यह न केवल भगवान विष्णु का प्रिय होता है, बल्कि कई त्योहारों और पूजा-पाठ में भी इसे अर्पित किया जाता है। अगर आप अपने घर के आंगन या बगीचे में कमल के फूल लगाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। यहां हम आपको कुछ आसान और प्रभावी सुझान देंगे, जिनकी मदद से आप अपने घर पर भी कमल के फूल उगा सकते हैं।

सही जगह चुनें

कमल के पौधे के लिए सबसे पहले सही जगह चुनना जरूरी है। यह पौधा गहरे पानी में ही अच्छी तरह से बढ़ पाता है, इसलिए इसे ऐसे स्थान पर लगाना चाहिए, जहां पानी का स्तर कम से कम 6 इंच हो। अगर आपके पास गहरा तालाब या कुंड है तो वहां कमल के पौधे को लगाना सबसे अच्छा रहता है। इससे पौधे को पर्याप्त पानी मिलेगा और वह अच्छे से विकसित हो सकेगा।

सही मिट्टी का चयन करें

कमल के पौधे के लिए भारी मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। इसके लिए कीचड़ या गीली मिट्टी का उपयोग करें, जो पानी को अच्छी तरह से रोक सके। इससे पौधे की जड़ें मजबूत होती हैं और वह तेजी से बढ़ता है। अगर आप इसे गमले में उगा रहे हैं तो गमले में भारी मिट्टी डालें और उसे पानी से भर दें, ताकि पौधा अच्छी तरह से विकसित हो सके।

बीज बोने का तरीका जानें

कमल के बीज बोने के लिए सबसे पहले उन्हें 24 घंटे तक पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद इन्हें गीली मिट्टी में डाल दें। ध्यान रखें कि बीजों को ज्यादा गहरा न बोएं, बस हल्का-सा दबाएं ताकि वे मिट्टी के संपर्क में आ सकें। इसके बाद इसमें नियमित रूप से पानी डालें, ताकि मिट्टी हमेशा गीली रहे। कुछ दिनों बाद ही बीज अंकुरित होने लगेंगे और आपका पौधा बढ़ने लगेगा।

धूप में रखें

कमल के पौधे को बढ़ने के लिए धूप की जरूरत होती है, इसलिए इसे ऐसी जगह पर रखें, जहां दिनभर धूप मिल सके। अगर आप इसे तालाब या कुंड में लगा रहे हैं तो सुनिश्चित करें कि पानी में सूरज की रोशनी अच्छे से पड़े। इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और जल्दी-जल्दी फूल देगा। अगर आपके पास गमला है तो उसे ऐसी जगह रखें, जहां दिनभर हल्की धूप आ सके।

काजोल की फिल्म मां की कमाई में मामूली बढ़त, पांचवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अभिनेत्री काजोल की पौराणिक हॉरर फिल्म मां को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है। यह फिल्म 27 जून को दर्शकों के बीच आई थी और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है। 5 दिन में इस फिल्म ने भारत में 23 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। अब फिल्म मां की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म मां ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को 2.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 23 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 4.65 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर औसत शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 6 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। फिल्म ने तीसरे दिन 7 करोड़ रुपये और चौथे दिन 2.5 करोड़ रुपये कमाए। मां के जरिए काजोल ने करीब 3 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस फिल्म में इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और खीरिन शर्मा जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है। मां के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने संभाली है, जिन्हें नुसरत भरूचा की हॉरर फिल्म छोरी और छोरी 2 के लिए जाना जाता है।

शब्द सामर्थ्य -098

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. चोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 097 का हल

वा	स्ता				सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स	
ब	द	ला		क			ल		
		ट		नी	ल	क	म	ल	
ता	ली		का		की			हू	
क		स	रो	का	र			लु	
झां		ज	बा	न		म	सी	हा	
क	च	ना	र		भा	र्या		न	
	मं			ज	र	दा			

सू- दोकू क्र.098

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 097 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के डामरीकरण सड़कों में मिट्टी डालकर खाना पूर्ति, जांच की मांग

बदहाल सड़क के स्तरहीन मरम्मत पर भड़के ग्रामीण

कोरिया बैकुंठपुर।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कोरिया जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़कों की मरम्मत का कार्य चल रहा है, लेकिन इस योजना के अंतर्गत हो रहे कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय ठेकेदारों द्वारा डामरीकरण सड़कों में मिट्टी डालकर खानापूर्ति की जा रही है। इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही सड़क मरम्मत की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है।

ग्राम पंचायत सलका, बस्ती, पटना, और आसपास के कई गांवों में हाल ही में मरम्मत के नाम पर डामरीकरण सड़कों पर केवल मिट्टी डालकर काम पूरा कर दिया गया है। डामर की परत तक नहीं डाली गई, और जहां डाली भी गई, वहां वह महज कुछ दिनों में उखड़ने लगी है। कई ग्रामीणों ने बताया कि सड़कों की मरम्मत का कार्य केवल दिखावा है। कार्यस्थल पर कोई तकनीकी निगरानी नहीं है और ठेकेदार

मनमाने ढंग से काम करवा रहे हैं। बरसात शुरू होने के साथ ही इन सड़कों की हालत और खराब हो गई है।

जहां मरम्मत की गई थी, वहां अब कीचड़ और दलदल का रूप ले चुका है। ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, और बाइक या चार पहिया वाहनों से गुजरना तो और भी जोखिमभरा हो गया है।

बच्चों का स्कूल जाना, मरीजों को अस्पताल ले जाना और ग्रामीणों का बाजार आना-जाना अब चुनौती बन चुका है।

स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि ठेकेदारों को विभागीय अधिकारियों की मौन ठेकेदारों को भ्रष्टाचार करने की खुली छूट दे रखी है। विभाग के द्वारा काए जा रहे हैं घटिया निर्माण की जांच कराए जाने की आवश्यकता है।

प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए चरणदास महंत ने तेज की कोशिश

कोरिया/बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में कांग्रेस पार्टी एक समय में अपराजेय ताकत मानी जाती थी। लेकिन हाल के वर्षों में पार्टी की स्थिति कुछ हद तक डगमगाई है। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब पार्टी को संगठनात्मक मजबूती, जनविश्वास और नेतृत्व क्षमता की पुनर्परिभाषा की आवश्यकता है। ऐसे समय में कांग्रेस के पुनर्जीवन के लिए एक सशक्त, अनुभवी और जनप्रिय नेतृत्व की जरूरत महसूस की जा रही है। इस संदर्भ में छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत को पार्टी की बागडोर सौंपना एक निर्णायक और सकारात्मक कदम साबित हो सकता है।

डॉ. चरणदास महंत छत्तीसगढ़ के एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपनी सादगी, मेहनत, और जनसेवा के लोकसभा सांसद केंद्र में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं, और छत्तीसगढ़ में विधानसभा अध्यक्ष जैसे गरिमामयी पद को भी उन्होंने सफलता से संभाला है। वर्तमान में वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में एक सक्रिय और मजबूत भूमिका निभा रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए भी उन्होंने किसानों, आदिवासियों, कर्मचारियों और युवाओं के हक की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जरिए प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक जननेता हैं, जो आम जनता की पीड़ा को समझते हैं और धरातल पर उतरकर उनके लिए संघर्ष करते हैं। कई बार सांसद, विधायक और मंत्री रह चुके डॉ. महंत की सबसे बड़ी ताकत है उनकी स्वीकार्यता — वे प्रदेश के सभी वर्गों, जातियों और क्षेत्रों में समान रूप से लोकप्रिय हैं। डॉ. महंत ने बतौर

सभापति ने अवैध पुल को तत्काल हटवाया

रायपुर। सफाई व्यवस्था के निरीक्षण पर निकले रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने नगर निगम जोन 2 क्षेत्र के अंतर्गत इंदिरा गाँधी वार्ड की नाला सफाई का प्रत्यक्ष निरीक्षण जोन 2 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लवनिया की उपस्थिति में किया. नहरपारा नाला पार करने कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा नाले पर रखा गया लोहे का अवैध पुल देखते ही तत्काल अवैध लौह पुल को हटवाकर नहरपारा नाला को कब्जामुक्त करवाया।

शराब पीकर बच्चों से मारपीट करने वाला सहायक शिक्षक निलंबित

बलरामपुर। सरकारी स्कूल में सहायक शिक्षक द्वारा शराब के नशे में स्कूली बच्चों के साथ मारपीट करने का गंभीर मामला सामने आया है। जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच के आधार पर शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक बलरामपुर जिले के सोनहत विकासखंड के एक स्कूल में पदस्थ था। मामला बाड़फ्लगर क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला का है, जहां सहायक शिक्षक छोटेलाल पंडो पर आरोप है कि वे अक्सर शराब के नशे में स्कूल आते हैं और छात्र-छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। शिकायतों के अनुसार उन्होंने कक्षा दूसरी से पांचवीं तक के बच्चों को पीटा, जिनमें आयुष कुमार, प्रिया, नीरज कुमार और रचना शामिल हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी से जांच करवाई। जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर कहा कि शिक्षक का आचरण पदीय गरिमा और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन है। छोटेलाल पंडो को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी बलरामपुर नियत किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरू

रायपुर। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु पिल्ले की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन प्रातः 9 बजे से होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा।

बारिश के बीच नेशनल हाईवे के गड्ढों को पाटने के लिए किये गये काम की दो दिन में हवा निकली

रामानुजगंज।

राष्ट्रीय राजमार्ग 343 की स्थिति दिन प्रतिदिन अत्यंत बदतर होते जा रही है। वहीं सड़क मरम्मत के नाम पर सिर्फ लीपापोती का खेल जारी है। बीते शनिवार की शाम को मूसलाधार बारिश के बीच पैच वर्क हुआ जो सोमवार तक उखड़ गया। अब इसे लेकर लोगों में गहरा आक्रोश है। राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी एवं ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग भुगत रहे हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-343 में टू लेन सड़क निर्माण के लिए रामानुजगंज से अंबिकापुर तक टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है एवं इसके लिए तेजी से पेड़ कटी भी कटाई हो रही है। कार्य संभवतः सितंबर-

अक्टूबर से प्रारंभ होगा। वहीं उसके पहले सड़क के मरम्मत के लिए 10 करोड रुपए स्वीकृत हुए हैं। लेकिन मरम्मत के नाम पर सिर्फ लीपापोती का खेल हो रहा है। शनिवार को बरसते पानी के बीच शाम को अग्रसेन चौक से लेकर बास डिपो तक पैच वर्क का कार्य कराया गया जो सिर्फ दो दिन तक ही चला।

सोमवार को फिर से सड़क वही स्थिति में आ गया। इसे लेकर लोगों में गहरा आक्रोश है। राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। रामानुजगंज से बलरामपुर होते हुए अंबिकापुर जाना मुश्किल हो गया है, सड़क इतनी खराब है कि चार पहिया वाहन प्रतिदिन गड्ढों की चपेट में आने से खराब हो जा रहे हैं। बड़े व यात्री वाहन भी बहुत मुश्किल से चल रहे हैं। वहीं प्रतिदिन दुर्घटनाएं भी हो रहीं हैं।

चलती बस में ड्राइवर को आ गई मिर्गी कई वाहनों को लिया चपेट में

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के जोकापाठ से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर आ रही बस के ड्राइवर को रास्ते में मिर्गी आ गई। इससे बस ने अनियंत्रित होकर सडक किनारे खड़े कई वाहनों को चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि यात्रियों की जान बच गई। इस दौरान बस में सवार एक यात्री ने ब्रेक लगाकर बस रोकी। इसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। हिंदुस्तान बस प्रतिदिन बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जोकापाठ से अंबिकापुर के लिए चलती है। शनिवार की सुबह करीब 10.30 बजे बस जोकापाठ से निकली थी। इस दौरान बस में काफी संख्या में यात्री सवार थे। बस करीब 11.30 बजे डीपाडीह के पास पहुंची ही थी कि ड्राइवर को अचानक मिर्गी का दौरा पड़ गया। इससे बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े कई वाहनों को चपेट में ले लिया। बस को हिचकोले खाते देख उसमें सवार यात्री भी चीखने-चिल्लाने लगे। बस में सवार एक यात्री हिम्मत दिखाते हुए ड्राइविंग सीट के पास पहुंचा और सुरक्षित तरीके से ब्रेक लगाकर बस रोक दी। इसमें एक बड़ा हादसा टल गया। बस रुकने के बाद यात्रियों की जान में जान आई। वहीं बस रुकने के बाद ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया।

प्रदेश में खंड वर्षा होने से कृषि कार्य प्रभावित

रायपुर। प्रदेश में विभिन्न जिलों में इस समय चक्रवाती परिसंचरण तथा द्रोणिका के कारण कई जिलों में जहां भारी वर्षा हो रही है वहीं राजधानी में हल्की से मध्यम वर्षा हो रही है। प्रदेश में खंड वर्षा होने से कृषि कार्य पिछड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा से मिली जानकारी के अनुसार एक चक्रवात खाड़ी में बना हुआ है जहां से नम हवाएं आ रही है। इस समय रायगढ़ अंबिकापुर, बलरामपुर, चांप जांजगीर तथा बिलासपुर में अच्छी वर्षा हो रही है। जिसके कारण नदी नाले उफान पर है। उन्होंने बताया कि मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, शिवपुरी, खजुराहो, डाल्टनगंज, दीघा और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार एक उपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश और उससे लगे क्षेत्र के उपर 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक उपरि हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी ओडीसा और उससे लगे गंगेटिक पश्चिम बंगाल के उपर 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है । एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक उत्तर छत्तीसगढ होते हुए 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज-चमक के अंधड़ चलने, वज्रपात होने तथा भारी वर्षा होने की सम्भावना है । भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः उत्तर छत्तीसगढ के जिले तथा बस्तर संभाग के दक्षिणी जिले में संभावित है।

पीडीएस का चावल बेचने वालों पर नियमितानुसार सख्त कार्रवाई होना चाहिए-राशन दुकानदार संघ की मांग

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा चावल उत्सव मनाया जा रहा है लेकिन वस्तु स्थिति कुछ और है। चावल सहित अन्य सामाग्रियों का भंडारण उचित समय पर नहीं होने पर उपभोक्ता एवं राशन दुकानदार परेशान है। राशन दुकानदार संघ ने मांग की है कि छग शासन हरियाणा की तर्ज पर पात्र व्यक्तियों को ही राशन देना चाहिए। यहां पर राशन कार्डधारी चावल लेकर बेच देते हैं। इस पर नियमानुसार कार्रवाई होना चाहिए। इसका प्रावधान निगम में किया गया है। राशन दुकानदारों एवं अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्र शासन द्वारा बीपीएल कार्डधारियों को 105 किलो से लेकर 130 किलो तक चावल दिया जा रहा है। यह चावल तीन महीने के लिए है। अधिकारियों के अनुसार देश में युद्ध की स्थिति को देखते हुए जमाखोरी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया था।

मूलभूत सुविधाओं से तरसते पंडों परिवारों की व्यथा सुन सांसद ने अफसर को लगाई फटकार

सूरजपुर। सांसद चिंतामणि महाराज ओडगी विकासखंड के दूरस्थ वनांचल ग्राम पंचायत छतौली के आश्रित ग्राम बड़वारीपारा पहुंचे। यहां 35-40 पंडो परिवार निवास करते हैं। सांसद ने यहां चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और निराकरण का भरोसा दिया। वहीं सांसद ने गांव में मूलभूत सुविधाओं पानी, बिजली, आंगनबाड़ीव स्कूल की कमी व समस्याएं देखकर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए नाराजगी जताई।

दरअसल ग्राम पंचायत छतौली में 35-40 पंडो जनजाति परिवार मूलभूत सुविधाओं से वर्षों से वंचित हैं। पानी, बिजली जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। स्कूल व आंगनबाड़ी भी नहीं हैं। ऐसी स्थिति तब है जब जनजातियों के लिए ही पीएम जनमन योजना संचालित की जा रही है। इसके अलावा भी केंद्र व राज्य सरकार की कई योजनाएं संचालित की जा रहीं हैं। सांसद ने योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई व अफसरों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित शिक्षा व महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तत्काल स्कूल व आंगनबाड़ी प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सत्यनारायण सिंह, अवध पाठक,

रामपाल जायसवाल, गया जायसवाल, राजेश्वर तिवारी, प्रदीप द्विवेदी, अशोक गुप्ता, मुकेश श्रीवास्तव, नवीन गोयल, पुनीत पाठक, शिवप्रसाद सिंह, वनमंडलाधिकारी (सेंचुरी) श्रीनिवास टेनेटी, तहसीलदार सुरेश राय, जनपद सीईओ निलेश सोनी, बीआरसी नरेंद्र दुबे, परियोजना अधिकारी जगेश्वर साहू, मण्डल संयोजक मनोहर गुप्ता व अन्य लोग उपस्थित रहे। सांसद ने यह भी कहा कि आंगनबाड़ी के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को दूर का सफर न करना पड़े, उन्हें यहीं पोषण आहार वितरण करें तथा छोटे बच्चों को प्राथमिक शिक्षा भी गांव में ही मुहैया कराई जाए। बड़वारी के मोहल्ले में एक भी हैंडपंप नहीं है, यहां के लोग नदी का पानी पीने को मजबूर हैं। यह सुन सांसद ने तत्काल पेयजल हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ को हैंड पम्प खनन करने निर्देशित किया। चिंतामणि महराज ने कहा कि पंडो जनजाति समाज के लोग हमारी प्राथमिकता हैं। उनकी हर समस्या का समाधान हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज संसद तक पहुंचेगी और क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। सांसद ने ग्राम खोड़ स्थित बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। छात्रावास भवन अत्यंत जर्जर हो गया है, यहां लाइट की कमी पाई गई। इसके अलावा बाथरूम में पानी की अनुपलब्धता और बदबू की समस्या ने बच्चों को परेशान कर रखा है। इसके अलावा 100 सीटर कन्या आश्रम में शौचालयों की बदहाल स्थिति को लेकर सांसद ने आदिवासी विभाग की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए वहां उपस्थित मंडल संयोजक, अधीक्षक को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

बहुड़ा यात्रा में शामिल हुए हजारों भक्त

रायपुर। भगवान जगन्नाथ अपनी गुंडिचा मौसी के यहां से आज अपने धाम मंदिर पहुंचे। इसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इसे बहुड़ा यात्रा भी कहते हैं। यह यात्रा गायत्री नगर, सदर बाजार, टूरी हटरी, अश्वनी नगर सहित कई स्थानों से निकली। विधायक एवं भाजपा नेता पुरंदर मिश्रा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ बलभद्र एवं सुभद्रा नी दिन के लिए द्वितीया से अपनी मौसी के यहां जाकर विश्राम करते है नौदिवसीय यात्रा नवमी को खत्म होती है। भगवान जगन्नाथ मंदिर के संस्थापक राजा की पत्नी का नाम गुंडिचा है वे भगवान को अपना पुत्र स्वरूप मानती थी इसलिए भगवान नी दिन उनके यहां जाकर विश्राम करते हैं। पुरंदर मिश्रा ने बताया कि गायत्री नगर में होने वाले इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, प्रतिपक्ष नेता चरणदास महंत सहित अनेक नेता एवं धार्मिक कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने बताया कि सदर बाजार, पुरानी बस्ती, गायत्री नगर एवं अश्वनी नगर सहित अन्य स्थानों में बहुड़ा यात्रा निकली। मिश्रा ने बताया कि भगवान का आश्रय स्थल गुंडिचा मौसी का घर मूल मंदिर से दूर है इसलिए भगवान एवं भाई बहन रथ में रहेंगे कल उन्हें मंदिर में विधिवत स्थापित किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ का मुख्य मंदिर पुरी में है यहां पर रथ यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। छग के विभिन्न शहरों एवं गांव में भी यह यात्रा निकाली जाती है।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती पर 6 को प्रातः 11 बजे शारदा चौक में होगा पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के सहयोग से डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती पर दिनांक 6 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे जी.ई. मार्ग में शारदा चौक के किनारे स्थित उनकी प्रतिमा स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजन रखा गया है। पुष्पांजलि आयोजन हेतु नगर निगम संस्कृति विभाग की ओर से नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर को प्रतिमा स्थल की आवश्यक साफ-सफाई, पुष्प, पुष्पमाला, फूलों की पंखुड़ियां आदि के साथ-साथ अन्य सामान्य यथोचित व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया है।

पीएमआईबी द्वारा सरकारी संचार सोशल मीडिया को रचनात्मक दिशा देने के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

रायपुर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में यंग प्रोफेशनल के रूप में जुड़ने के लिए जोश और कौशल से भरे पेशेवरों को आमंत्रित किया जा रहा है! पद के बारे में सरकारी संचार, मीडिया आउटरीच, सोशल मीडिया अभियानों और जनसंपर्क से जुड़ी टीम का हिस्सा बनें। प्रेस विज्ञप्तियों, सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए जनता तक जानकारी पहुँचाने के लिए लेखन, अनुवाद, विश्लेषण और रचनात्मक सामग्री तैयार करना।

जशपुरोर बनेगा ग्लोबल ब्रांड : महिलाओं के प्रयासों को अब मिलेगा बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचल जशपुर की आदिवासी महिलाओं के समूह द्वारा प्राकृतिक वनोपज का प्रसंस्करण कर तैयार की गई विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्रियों का ब्रांड जशपुरोर अब जशपुर और छत्तीसगढ़ की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कदमताल करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फॉर लोकल अभियान को आत्मसात करते हुए एक अहम निर्णय लिया गया है जिसके तहत जशपुर जिले की महत्वाकांक्षी महिला केंद्रित ब्रांड जशपोर का ट्रेडमार्क अब उद्योग विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय जशपोर को व्यापक उत्पादन, संस्थागत ब्रांडिंग और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच दिलाने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है।

जशपोर ब्रांड महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला उपक्रम है, जिसे जशपुर जिले की आदिवासी महिलाओं द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक, पोषणयुक्त और रसायनमुक्त खाद्य उत्पादों का निर्माण करते हुए स्थानीय समुदायों को रोजगार उपलब्ध कराना और सतत विकास को बढ़ावा देना है।

इस ब्रांड का लक्ष्य छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि और वनोपज का प्रसंस्करण कर खाद्य उत्पादों के रूप में तैयार करना तथा रोजगार से जोड़ते हुए व्यावसायिक स्तर पर इन्हें व्यापक पहचान दिलाना है। जशपोर के उत्पादों की मुख्य विशेषता यह है कि ये पूरी तरह से प्राकृतिक हैं। इनमें किसी भी प्रकार के प्रिजर्वेटिव, रंग या कृत्रिम स्वाद का उपयोग नहीं किया जाता और ये सस्टेनेबल पैकेजिंग में उपलब्ध हैं। जशपोर केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ी माटी की महक, आदिवासी बहनों की मेहनत और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का प्रतीक बन चुका है। जशपोर द्वारा महुआ और अन्य वनोपज को शामिल करते हुए कई प्रकार के पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें महुआ आधारित उत्पाद जैसे महुआ नेक्टर, महुआ वन्यप्राश, महुआ कुकीज़, रागी महुआ लड्डू, महुआ कैंडी और महुआ नेक्टर कोकोआ शामिल हैं। इसके अलावा, ढेकी कूटा जवा फूल चावल, मिलेट आधारित पास्ता और कोदो, कुटकी, रागी तथा टाऊ से बने विभिन्न उत्पाद भी पूरे भारत में अपनी पहचान बना रहे हैं। जशपोर ब्रांड का उद्देश्य केवल व्यापार नहीं है, बल्कि यह आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का एक सशक्त प्रयास भी है। इस ब्रांड के माध्यम से महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हुई हैं। जशपोर द्वारा निर्मित हर उत्पाद आदिवासी महिलाओं की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। ये उत्पाद देशभर के विभिन्न स्टोर्स पर उपलब्ध हैं, जो ब्रांड की व्यापक पहुँच का प्रमाण हैं। जशपोर के सभी उत्पाद पूर्णतः प्राकृतिक हैं। इनमें किसी भी प्रकार के प्रिजर्वेटिव, कृत्रिम रंग या स्वाद का उपयोग नहीं किया जाता। यह उत्पाद श्रृंखला न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पोषण से भरपूर और पर्यावरण-संवेदनशील पैकेजिंग में उपलब्ध है। जशपोर के प्रमुख उत्पादों में महुआ नेक्टर, महुआ वन्यप्राश, रागी महुआ लड्डू, महुआ कुकीज़, महुआ कोकोआ ड्रिंक, कोदो, कुटकी, रागी आधारित पास्ता और ढेकी कूटा चावल शामिल हैं। जशपोर की सबसे खास बात इसकी महिला प्रधान कार्यशक्ति है। यहां 90 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी आदिवासी महिलाएं हैं, जो उत्पादन से लेकर पैकेजिंग तक हर स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इस मंच के माध्यम से ये महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि परंपरागत ज्ञान और तकनीकों को आधुनिक बाजार में प्रस्तुत करने में भी सक्षम हो रही हैं। 20 सितंबर 2024 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में जशपोर का स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले उपभोक्ताओं, पोषण विशेषज्ञों और उद्यमियों ने विशेष रुचि के साथ महुआ और मिलेट से बने उत्पादों की सराहना की। इन उत्पादों में कोई एडिटिव, प्रिजर्वेटिव या स्टेबलाइजर नहीं है, जिससे ये पूरी तरह से प्राकृतिक, सुरक्षित और पोषणयुक्त हैं।

शहर के कई इलाके लबालब, प्रगतिनगर में घुसा पानी

कुचैना व इमलीछापर इलाके में निर्माण से जाम

कोरबा। आषाढ़ के महीने में बारिश के सिलसिले ने खेती किसानी के काम को गति दी है तो सामान्य क्षेत्र में जल जीवन की रफ्तार को ब्रेक कर दिया है। कोरबा शहर के अमरैयापारा, वैष्णो दरबार और बालको नगर के कुछ हिस्सों में पानी घुसने से परेशानी बढ़ गई। कोयलांचल दीपिका के प्रगति नगर आवासीय परिसर में बरसाती पानी की एंट्री से लोगों के सामने चुनौतियां खड़ी हो गई । बाकी मोगरा के शांति नगर में भी कुछ ऐसी ही स्थिति रही। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण समस्याएं पैदा हुई है। कुछ स्थानों पर अतिवृष्टि से छोटे पुलपुलिया टूटने के चक्कर में आवागमन बाधित हो गया है और रोड कनेक्टिविटी समाप्त हो गई है।

मौसम विभाग में एक दिन पहले चेतावनी की थी कि 24 घंटे के बाद कोरबा जिले के कुछ हिस्सों में अतिवृष्टि हो सकती है। प्रशासन के साथ लोगों ने सूचना को गंभीरता से लिया लेकिन बारिश होने पर वे आखिर क्या कर सकते थे। पिछली रात्रि से शुरू हुई बारिश का दौर अब तक जारी है। शहरी क्षेत्र में नगर पालिका निगम के द्वारा बारिश से ठीक पहले छोटे-बड़े नालों की सफाई करने के बावजूद स्थितियां फिर से अनियंत्रित हो गई। सीतामढ़ी क्षेत्र में वैष्णो दरबार का इलाका नल का पानी पहुंचने से परेशानी के भवन में फस गया। लोगों के घरों तक पानी पहुंचने से उनके सामान को नुकसान होने की खबर है।

नगर के मुड़ापार बायपास रोड के साथ अमरैयापारा के काफी हिस्से में बरसाती पानी ने कहर बरपाया। इन इलाकों में अनेक मकान के भीतर पानी का प्रवेश होने से लोगों की रात के दिन खराब हुई और उन्हें अगली सुबह कई घंटे में पानी को निकालना पड़ा। पिछले वर्षों में भी इस इलाके में यह समस्या पेश आ चुके हैं। उधर अमरैयापारा में रेल लाइन के किनारे वाली बस्ती में बड़े नाला और मुख्य मार्ग के ढलान वाले रास्ते से होते हुए पानी पहुंच गया। इसके एक जगह ठहराव होने से गलियों में नदी जैसी स्थिति देखने को मिली।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका क्षेत्र के अंतर्गत प्रगति नगर आवासीय परिसर में कई प्रकार के उपाय के बावजूद इस बार भी बारिश के मौसम में वाटर ब्लॉकिंग के हालात पैदा हो गए। यहां के मैदान में पानी तो भरा ही, कॉलोनी के अनेक आवास के भीतर भी उसकी पहुंच हो गई। भारी बारिश के कारण दीपिका से कोरबा के बीच आवागमन में भी बाधा पैदा हुई। हमारे संवाददाता ने बताया कि इस मार्ग पर कुचैना में कंस्ट्रक्टिव रेल अंडर ब्रिज और इमली छपर कुसमुंडा में तैयार हो रहे रेल ओवर ब्रिज के आसपास पानी का जमाव होने से आवागमन में समस्याएं हो रही हैं।

परेशानी के बीच मौजमस्ती

बारिश के मौसम में प्रकृति के सख्त तेवर से कई स्थानों पर अजीब हालात बने हुए हैं और लोग परेशान। इन सब के बीच बच्चों के लिए यह मौसम मौज मस्ती करने का जरिया बना हुआ है। पानी से भरे इलाके में बच्चों को उछल-कूद करते हुए देखा गया। हालांकि कुछ स्थानों पर स्थानीय लोगों ने उन्हें ऐसा नहीं करने की समझाइश क्योंकि बरसाती पानी के साथ खतरनाक जीव जंतुओं की पहुंच भी हो सकती है।

शेल्टर हाउस खोलेगा निगम

कोरबा शहरी क्षेत्र में बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों पर अधिकारियों की नजर बराबर बनी हुई है। नगर पालिका निगम की ओर से कहा गया है कि भारी बारिश होने और निचले इलाकों में हालत बिगड़ने पर वहां के लोगों को दूसरी जगह शरण देने का काम किया जाएगा। प्रत्येक जोन स्तर पर नगर निगम ने शेल्टर हाउस बनाने की योजना बनाई है। अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों की संख्या के आधार पर ऐसे केंद्र सरकारी स्कूल अथवा सामुदायिक भवन में प्रारंभ किए जाएंगे और वहां आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी।

कुचैना मार्ग में सड़क टूटी, कुसमुंडा दीपिका के बीच आवाजाही थमी

बरसात के मौसम में कोरबा जिले के कोयलांचल कुसमुंडा से दीपका के बीच आवागमन अवरुद्ध हो गया है। वजह यह है कि कुचैना बस्ती के पास एक जगह सड़क का बड़ा हिस्सा टूट गया है। इसके ठीक बगल में रेल अंडर ब्रिज तैयार किया जा रहा है। लगातार वाइब्रेटिंग और भारी बारिश के कारण इस इलाके की सड़क पर बुरा असर पड़ा। इसके नतीजन इसका एक हिस्सा धस गया। ऐसे में नजदीक के हिस्से में दुर्घटना की आशंका तेज हो गई है। मौजूदा स्थिति में रास्ते पर से होकर चलने वाली आवाजाही बाधित हो गई है। कुसमुंडा और दीपिका के बीच यही एक रास्ता है जो इन क्षेत्रों को जोड़ता है। जिस रफ्तार से बारिश हो रही है और जो समस्या यहां पर पैदा हुई है, उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि वैकल्पिक तौर पर बहुत जल्द सुधार कार्य कराया जाना मुश्किल होगा।

भाजपाई अधिकारी से मिले

कोरबा। विद्युत मंडल कालोनी में कचरों का उठाव नहीं होने से नालियां जाम हो रही है। लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए भाजपाईयों ने विद्युत मंडल के अधिकारियों से मुलाकात की। कोसाबाड़ी मंडल के अध्यक्ष राजेश राठौर, सुभाष राठौर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों से कहा कि कई महीने हो गये है लेकिन अभी तक कचरों को नहीं उठाया गया है और न ही कालोनियों की साफ-सफाई हो रही है। लगातार वर्षा होने के कारण पानी घरों में प्रवेश करने लगे है। इसके पहले भी अधिकारियों को आवेदन दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है।

गड्ढों को पाटने का काम जारी

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व मुख्य मार्ग पर सड़कों पर बने गड्ढों को पाटने का काम किया जा रहा है। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन ने मांग पत्र सौंपा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि सड़क पर बने गड्ढों से लोग परेशान है। आवा-जाही नहीं हो पा रही है। महामंत्री रंजय सिंह, अशोक सूर्यवंशी, भूनेश्वर कश्यप व संजय दयाल ने प्रबंधन से कहा है कि उनके मांग पत्र पर कार्य शुरू हुआ है। आगे भी और मांगों को पूरा किया जाये। बरसात के मौसम में बिजली गुल होने की मुख्य समस्या है। कालोनी में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर रखने की आवश्यकता है। इसी तरह पानी की समस्या भी होने से कोयला कामगार परेशान है। नलों में पेयजल की आपूर्ति लगातार नहीं हो पा रहा है।

कांग्रेसी कल जायेंगे रायपुर

कोरबा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे के कल रायपुर आगमन पर कोरबा के सैकड़ों कांग्रेसी रायपुर जायेंगे। पिछले दिनों प्रदेश के मंत्री अमरजीत सिंह भगत ने कांग्रेसियों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी थी। तानाखार विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक मोहित केरकेट्टा, दिलेश्वरी सिदार, मनोज चौहान को जिम्मेदारी दी गई है। जबकि कटघोरा में पूर्व विधायक पुरूषोत्तम कंवर, सांसद प्रतिनिधि अशोक देवांगन को जिम्मेदारी मिली है। यहां पर ब्लाक अध्यक्ष टीकाराम मनहर, दिलीप सिंह रहमान खान, प्रभा तंवर, भूनेश्वरी दास को जिम्मेदारी दी गई है।

साधना शिविर में साधक शामिल होंगे

कोरबा। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर रायपुर में सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा साधना शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें गुरूदेव कैलाशचंद्र श्रीमाली गुरू दीक्षा के अलावा विशेष दीक्षा प्रदान करेंगे। प्रवचन के साथ-साथ प्रसाद वितरण भी यहां होगा। 8 जुलाई से यह कार्यक्रम शुरू हो रहा है।

प्रकृति का ऋण चुकाने युवकों ने लगाए पौधे

कोरबा। प्रकृति के उपकार को मानने और पर्यावरण संरक्षण की सोच के साथ कोईलांचल कुसमुंडा में युवकों ने देवश्यनी पद्मा एकादशी पर पौधों का रोपण किया। ऐसे पौधों में कई प्रजातियों को शामिल किया गया। इनमें से ज्यादातर पर्यावरण के लिए अनुकूल है और इनमें से कई का औषधिय व आध्यात्मिक महत्व है। अमरिक सिंह ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण आज की आवश्यकता है और पौधों का रोपण करने के लिए बारिश सबसे बेहतर मौसम है। इसके माध्यम से समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी जरूरत के अलावा सामाजिक सरोकार भी जरूरी है। पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती इसलिए हर व्यक्ति अपने जीवन काल में पौधे भी जरूर लगाए। बताया गया कि हम प्रशासन की ओर से सभी तरफ लोगों को निशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं इसलिए हर किसी की जिम्मेदारी बनती है कि वह पर्यावरण से संबंधित विषय को पूरी गंभीरता से ले और अपने आसपास के क्षेत्र में पौधों का रोपण भी करें।

वन कर्मचारी संघ चुनाव के लिए मतदान जारी

कोरबा। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ की कोरबा जिला इकाई अध्यक्ष का चुनाव आज हो रहा है। इसके लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान जारी है। अध्यक्ष पद के लिए कमलेश कुम्हार व बलवान कुर्रे मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 231 सदस्य मतदान के जरिये करेंगे। चुनाव को लेकर वन कर्मियों में काफी उत्साह है और भारी बारिश के बावजूद कोरबा व कटघोरा वन मंडल के कर्मी बड़ी संख्या में मतदान स्थल वन मंडल कार्यालय कोरबा पहुंचकर अपना वोट डाल रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार दोनों ही उम्मीदवारों में कटि का मुकाबला है। मतदान शाम तक चलेगा तत्पश्चात वोटों की गिनती की जाएगी और परिणाम देर शाम तक घोषित कर दिए जाएंगे।

मुख्यालय में हुई एसईसीएल संचालन समिति की बैठक

श्रमिक संगठनों से की गई हड़ताल में भाग न लेने की अपील

कोरबा। शनिवार को एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन की अध्यक्षता में एसईसीएल इंदिरा विहार स्थित बिलासपुर भवन में एसईसीएल संचालन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

श्रम संगठनों द्वारा 09 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रीय आम हड़ताल के संबंध में इस बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में निदेशक तकनीकी (संचालन सह योजना/परियोजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) बिरंची दास तथा श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि नाथूलाल पांडेय (एचएमएस), सुजीत कुमार सिंह (बीएमएस), अजय विश्वकर्मा (एटक), गोपाल नारायण सिंह (एसईकेएमसी), वी. एम. मनोहर (सीटू) एवं अनिल कुमार पांडेय (सीएमओएआई), एवं मुख्यालय के संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में प्रबंधन ने श्रमिक संगठनों से 9 जुलाई, 2025 को देश के विभिन्न श्रम संगठनों द्वारा बुलाई गई आम हड़ताल में भाग ना लेने एवं कोयला उत्पादन सुचारू रूप से जारी रखने में सहयोग करने की अपील की।

बेबी कोबरा का रेस्क्यू

कोरबा। मानिकपुर चौकी के रामनगर में ललित साहू के निवास से बेबी कोबरा का रेस्क्यू किया गया। परिजनों ने बिस्तर पर कोबरा को देखा था। जितेंद्र सारथी ने मौके पर उसे पकड़ा।

सड़क पर बैठे मवेशियों को बचाने पिकअप ने बाईक को ठोका, दो की मौत

कोरबा। कटघोरा-अम्बिकापुर नेशनल हाईवे में तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। पूरी घटना के पीछे उन मवेशियों को जिम्मेदार बताया जा रहा है जो हाईवे पर बैठे थे।

जानकारी मिली की 5 जुलाई की रात डेलवाडीह निवासी अजय यादव (37 वर्ष), सुमित गुप्ता (26 वर्ष) और एक अन्य युवक बाइक में सवार होकर अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी बीच सड़क पर मवेशी बैठे थे, जिसके कारण पिकअप अनियंत्रित हो गया और उसने बाईक को ठोक दिया। इस हादसे में अजय की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी होने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को कटघोरा अस्पताल पहुंचाया। जहां सुमित की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरा युवक गंभीर है जिसे जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दुर्घटनाकारित पिकअप वाहन को जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

चार पहिया गाड़ी की लूट मामले में जांच जारी

कोरबा। नेशनल हाईवे 130 पर गुरसिया के आगे हथियार की नोक पर स्विफ्ट डिजायर कार को लूट कर कर युवा फरार हो गए। बांगो पुलिस थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा ने बताया कि इस प्रकरण में इन्वेस्टिगेशन जारी रखा गया है। इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में सूचना भिजवाई गई है। अंकुश यादव के साथ यह घटना शनिवार को दोपहर हुई। खबर के अनुसार चार युवकों ने उससे संपर्क किया और कटघोरा तक छोड़ने की बात कही। चार पहिया गाड़ी के चालक विश्वास में लेने के लिए युवकों ने मजबूत अधार बनाया। बाद में गुरसियां से 7 किमी दूर उन्होंने बंदूक की नोक पर चालक को धमकाया और वाहन लेकर भाग गए। पुलिस ने बताया कि पीड़ित पक्ष के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराये जाने पर संज्ञान लिया गया। मामले की जानकारी आसपास के थाना क्षेत्र को दी गई है।

बारिश ने बिगाड़े हालात, मटमैला पानी आ रहा नलों में

कोरबा। बरसात शुरू क्या हुई, कोरबा क्षेत्र में जलापूर्ति को लेकर भी कुछ परेशानियां खड़ी हो गई। सामान्य तौर पर लोगों की यही शिकायत है कि सरकारी व्यवस्था से होने वाली जलापूर्ति के अंतर्गत उनके यहां नलों से स्वच्छ जल नहीं आ रहा है। इसके रंग को लेकर लोगों को शिकायत है।

मिट्टी और अन्य तत्वों के मिलने से बदलता है रंग

नगर पालिका निगम कोरबा के द्वारा हसदेव नहर के पानी को फिल्टर करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति की जाती है। जबकि ईस्टर्न साउथ कोलफील्ड्स लिमिटेड का पंप हाउस स्थानीय कॉलोनी में मौजूद है। संबंधित प्रक्रिया को अपनाने के बाद निकाय और उपक्रम के द्वारा विभिन्न कॉलोनी से लेकर बस्तियों में पानी की आपूर्ति कराई जा रही है। अन्य मौसम में पानी की आपूर्ति को लेकर सब कुछ ठीक रहता है लेकिन बारिश के मौसम में इस बात की शिकायत है कि पानी की गुणवत्ता सही नहीं है और लोग इसे लेकर शिकायत कर रहे हैं। उनकी आपत्ति का आधार पानी का रंग है। लोगों को संशय है कि इस पानी का उपयोग सीधे तौर पर पीने में करें या नहीं। ऐसे लोगों को स्वास्थ्य विभाग ने सलाह दी है कि वह पानी उबाल कर पी सकते हैं। मौसम संबंधी कारण से ऐसा करना उचित हो सकता है।

टर्बिडिटी बढ़ जाती है इस मौसम में

बारिश में कई प्रकार के परिवर्तन जल स्रोतों में होते हैं। बारिश होने पर मिट्टी और अन्य जलीय तत्व बहकर व घुलकर लकर नदी नालों में आते हैं।

इस वजह से पानी के रंग में स्वाभाविक रूप से परिवर्तन होता है जिसे टर्बिडिटी कहा जाता है। ऐसा होने पर पानी का रंग बदल जाता है और इसे मटमैला कहा जाता है। हम हर हाल में पानी को फिल्टर करने के बाद ही आपूर्ति कर रहे हैं इस बारे में कोई शंका नहीं होना चाहिए।

राकेश मसीह, ईई नगर निगम

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com